केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 343 | उज्जैन, सोमवार 25 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

वृक्ष में प्रतिदिन पानी देना होता है, लेकिन फल मौसम अनुसार ही आते हैं, इसलिए जीवन मे धैर्य रखें क्योंकि हर काम समय पर ही होता है..

गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व- डॉ. मोहन यादव

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म में नदियों को मात्र जल स्रोत नहीं, बल्कि देवी के रूप में पूजा जाता है। इनमें गंगा का स्थान सर्वोपरि है। गंगा दशहरा या गंगावतरण ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है। इस दिन को गंगा दशहरा, गंगा दशमी या दशहरा के नाम से जाना जाता है। यह पर्व गंगा नदी के पृथ्वी पर अवतरण की स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल, गंगा दशहरा जल के प्रति कृतज्ञता का पर्व है.

गंगा यानी पवित्र-साफ जल के इसी महत्व को समझते हुए यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल संरक्षण को एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने जल को विकास का प्रमुख पैरामीटर बनाते हुए हर घर जल और जल है तो कल है के संकल्प को साकार किया। उनके नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय का गठन, जल जीवन मिशन, नमामी गंगे, अमृत सरोवर मिशन और जल शक्ति अभियान जैसी ऐतिहासिक पहल हुईं, जिन्होंने देश की जल सुरक्षा को नई दिशा दी है।

अमृत सरोवर योजना ने जल संरक्षण को नया आयाम दिया। प्रत्येक जिले में 75 जलाशयों के निर्माण या पुनरुद्धार का लक्ष्य रखा गया। अब तक 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर तैयार हो चुके हैं। इनसे वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और सिंचाई सुविधा बढ़ी है। यह मिशन आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है और सामुदायिक भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

नमामी गंगे परियोजना, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, नदी फ्रंट विकास और जैव विविधता संरक्षण के कार्य भी हो रहे हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजनाके तहत प्रति बूंद अधिक फसल का मंत्र दिया गया, जिसमें ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला। कैच द रेन अभियान ने वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाया। प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा कि पानी बचाना स्वच्छ भारत मिशन की तरह सामूहिक दायित्व है। उनके मार्गदर्शन में लाखों जल संरचनाएं बनीं, चेकडैम, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनरुद्धार हुआ।

इन प्रयासों का परिणाम साफ दिखता है। भूजल रिचार्ज बढ़ा है, ओवर-एक्सप्लॉइटेड इकाइयों की संख्या घटी है और कई जिलों में जल संकट कम हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का विजन केवल बुनियादी ढांचा निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि जल संरक्षण को संस्कृति और आदत बनाने का है। वे बच्चों को वाटर वॉरियर्स बनाने और समाज को जिम्मेदार बनाने पर जोर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण भारत की विकास यात्रा का अभिन्न अंग बन गया है। ये प्रयास न केवल वर्तमान की जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल-समृद्ध भारत का आधार तैयार कर रहे हैं। जल संरक्षण अब मात्र नीति नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बन चुका है।

मध्यप्रदेश भी, जिसे प्राकृतिक जल संसाधनों से समृद्ध माना जाता है, जल संरक्षण की दिशा में अनुकरणीय पहल कर रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान एक राज्य स्तरीय जन आंदोलन है। वर्ष 2025 में यह अभियान 19 मार्च से 30 जून तक चलाया गया।

चालू वर्ष-2026 में भी यह अभियान पूरे जोर-शोर से चल रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन करना है, ताकि प्रदेश जल संकट से मुक्त हो सके।अभियान के तहत नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों, चेकडैम और अन्य जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, गहरीकरण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। नए जल स्रोतों का निर्माण, वर्षा जल संचयन, भूजल रिचार्ज और पुरानी जल संरचनाओं का पुनरुद्धार अभियान के प्रमुख स्तंभ हैं। प्रदेश में 10 हजार से अधिक चेकडैम और स्टॉपडैम के संधारण, हजारों तालाबों के गहरीकरण, नई जल संरचनाओं का निर्माण और लगभग 2,500 करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जनप्रतिनिधियों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है। यहां की अर्थव्यवस्था और किसानों की समृद्धि जल पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्या, अनियमित वर्षा, भूजल स्तर में गिरावट और जल प्रदूषण ने जल संकट को गहरा दिया है। इस अभियान का महत्व इन्हीं चुनौतियों के समाधान में निहित है।

अभियान से वर्षा जल का अधिकतम संचयन होता है, जिससे सिंचाई सुविधा बढ़ती है।

भूजल स्तर में वृद्धि से सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी फसल उत्पादन संभव होता है। खेत तालाबों, रिज-टू-वैली मॉडल और जल संरक्षण संरचनाओं से किसानों की आय बढ़ रही है।

मध्यप्रदेश में प्राचीन बावड़ियां, तालाब और जल संरचनाएं सांस्कृतिक धरोहर हैं।

उनका जीर्णोद्धार सांस्कृतिक गौरव बढ़ाता है और पर्यटन को बढ़ावा देता है।अभियान जनभागीदारी पर आधारित है। पानी चौपाल जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को कम पानी वाली फसलें, ड्रिप सिंचाई और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इससे जल संरक्षण की संस्कृति विकसित हो रही है। महिलाओं और युवाओं की भागीदारी से सामुदायिक जिम्मेदारी बढ़ रही है।

इस अभियान से मध्यप्रदेश जल संरक्षण में देश का अग्रणी राज्य बन रहा है। अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में भारी वृद्धि, नदियों का पुनःप्रवाह और लाखों जल संरचनाओं का निर्माण राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

यह अभियान केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि सामूहिक संकल्प है।यशस्वी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में यह जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने में सफल हो रहा है।यह मध्यप्रदेश के भविष्य की नींव है। यह हमें सिखाता है कि जल ही जीवन है और उसकी रक्षा हमारा दायित्व है।

यदि हम आज जल स्रोतों का संरक्षण करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां समृद्ध जल संसाधनों का उपयोग कर सकेंगी। प्रदेशवासियों को इस अभियान से जुड़कर जल संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। स्वच्छ, समृद्ध और जल-सम्पन्न मध्यप्रदेश का सपना तभी साकार होगा जब हर नागरिक इसमें अपना योगदान देगा।

वीकेंड स्पेशल चेकिंग में इंदौर पुलिस का बड़ा एक्शन, 462 बदमाशों पर कार्रवाई, 176 शराबी वाहन चालक पकड़े

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा वीकेंड स्पेशल चेकिंग अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा एडिशनल कमिश्नर श्री मयंक अवस्थी एवं श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में 23-24 मई की दरमियानी रात शहर के चारों जोन में व्यापक स्तर पर सरप्राइज चेकिंग एवं पेट्रोलिंग की गई। इस दौरान पुलिस ने गुंडे-बदमाशों, असामाजिक तत्वों, नशाखोर वाहन चालकों और अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 462 लोगों पर वैधानिक कार्रवाई की।

पुलिस द्वारा देर रात विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बड़ी संख्या में संदिग्धों एवं आदतन बदमाशों की जांच की गई। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 176 लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शराब पीकर वाहन चलाकर लोगों की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना चंदन नगर पुलिस ने आरोपी आसिफ खान को एक अवैध देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं थाना छत्रीपुरा पुलिस ने एक आरोपी को तलवार तथा थाना सदर बाजार पुलिस ने एक आरोपी को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर कार्रवाई की।

विभिन्न प्रकरणों में फरार एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर कुल 171 वारंट तामील कराए गए। इनमें 35 स्थायी वारंट, 58 गिरफ्तारी वारंट तथा 78 जमानती वारंट शामिल हैं। पुलिस द्वारा कई लंबे समय से फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया।

अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए थाना चंदन नगर, राजेंद्र नगर और लसूड़िया पुलिस ने कुल 91 क्वार्टर अवैध देशी शराब जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन कर रहे नौ लोगों तथा गांजा पीते पाए गए चार आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

पुलिस ने हॉटस्पॉट, मल्टी और शैडो एरिया में ड्रोन पेट्रोलिंग एवं पैदल भ्रमण कर संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी। इस दौरान चाकूबाजों, ड्रग पैडलरों, जिलाबदर बदमाशों और महिला संबंधी अपराधों में संलिप्त संदिग्धों की भी जांच की गई। पुलिस द्वारा कुल 95 बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए समंस तामील किए गए।

इंदौर पुलिस ने कहा है कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कनाड़िया तालाब के जीर्णोद्धार कार्यों का आयुक्त ने किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सांवेर विधानसभा क्षेत्र स्थित कनाड़िया तालाब के जीर्णोद्धार की घोषणा के बाद नगर निगम द्वारा तालाब के विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार को कनाड़िया तालाब पहुंचकर प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

करीब 1.40 करोड़ रुपये की लागत से तालाब की जल क्षमता बढ़ाने, बंड की पिचिंग, चैन लिंक फेंसिंग, तालाब की चैनलों से अवरोध एवं बाधाएं हटाने, सौंदर्यकरण, इनलेट-आउटलेट पाइपलाइन, प्रवेश द्वार निर्माण, पाथवे एवं हरियाली बढ़ाने सहित विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने तालाब की जलधारा एवं चैनलों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा जल के प्राकृतिक प्रवाह में आने वाली सभी बाधाओं को शीघ्र हटाया जाए, ताकि बारिश का पानी बिना अवरोध तालाब तक पहुंच सके और जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि हो सके।

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा घोषित कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक कार्य पूरे किए जाएं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों को शेड्यूल बनाकर सुनियोजित तरीके से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री श्री अश्विन जनवदे, सहायक यंत्री श्री आकाश जैन, उप यंत्री, कंसल्टेंट तथा संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इंदौर में हल्दी की रस्म के बाद बीमार हुआ था दूल्हा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के दुधिया गांव में हल्दी की रस्म के बाद दूल्हे की तबीयत बिगड़ गई थी। मामले में हल्दी की खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जांच करवाई गई, जिसमें सामने आया कि हल्दी में जहरीला तत्व आर्सेनिक मिलाया गया था। आर्सेनिक का उपयोग होली के रंगों में भी किया जाता है। दुधिया ग्राम में रहने वाले गोलू कौशल की तबीयत हल्दी लगाने के बाद बिगड़ गई थी। इलाज के लिए उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। गोलू को गंभीर एलर्जिक रिएक्शन के कारण वेंटिलेटर पर रखना पड़ा था।

जांच में यह सामने आया कि हल्दी में 0.22 एमजीजी आर्सेनिक, 0.37 एमजी लीड और 3.19 एमजी कॉपर था। हालांकि इतनी कम मात्रा में आर्सेनिक मिलने से रिएक्शन के मामले काफी कम होते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक आर्सेनिक एक खतरनाक रासायनिक तत्व है, जिसका उपयोग कई बार रंगों को चमकीला और गाढ़ा बनाने के लिए अवैध रूप से किया जाता है। यही कारण है कि होली के रंगों में भी इसकी मिलावट की जाती है। त्वचा पर लगाने वाले उत्पादों और खाद्य सामग्री में इसका उपयोग करना नुकसानदायक है।

हल्दी की रस्म के दौरान सांस लेने में हुई थी तकलीफ- जानकारी के अनुसार हल्दी की रस्म के दौरान परिवार और रिश्तेदारों ने दूल्हे को हल्दी लगाई थी। इसके कुछ देर बाद ही गोलू को शरीर में जलन, खुजली और सांस लेने में तकलीफ महसूस होने लगी। पहले परिवार को लगा कि यह सामान्य एलर्जी हो सकती है, लेकिन हालत बिगड़ने लगी। इसके बाद स्वजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे।

डॉक्टरों ने बताया कि त्वचा में रिएक्शन के साथ ही श्वसन तंत्र में भी परेशानी हुई थी। जांच के दौरान यह आशंका जताई गई कि हल्दी में किसी रासायनिक पदार्थ की मिलावट हो सकती है। इसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने हल्दी के सैंपल की जांच करवाई थी।

हल्दी को चमकीली करने के लिए करते हैं मिलावट- बाजार में बिकने वाली सस्ती और अधिक चमकीली हल्दी में रंग बढ़ाने के लिए रासायनिक मिलावट कर दी जाती है। कुछ मामलों में होली के रंगों में इस्तेमाल होने वाले केमिकल भी मिला दिए जाते हैं ताकि हल्दी ज्यादा पीली और आकर्षक दिखाई दे। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिल शाह ने बताया कि आर्सेनिक शरीर के लिए हानिकारक होता है। यदि यह त्वचा के संपर्क में आता है तो जलन, लाल चकत्ते, सूजन और एलर्जी जैसी समस्या पैदा कर सकता है। अधिक मात्रा में संपर्क होने पर सांस लेने में तकलीफ, उल्टी, कमजोरी और शरीर के अन्य अंगों पर भी असर पड़ सकता है। लंबे समय तक संपर्क रहने पर यह कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ाता है।

अमृत प्रोजेक्ट 2.0 के कार्यों का आयुक्त ने किया निरीक्षण, एसटीपी प्लांट निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शनिवार प्रातः अमृत प्रोजेक्ट 2.0 के अंतर्गत शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं सीवरेज कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री श्री अश्विन जनवदे, सहायक यंत्री श्री आकाश जैन, उप यंत्री, कंसल्टेंट तथा संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुक्त श्री सिंघल ने सबसे पहले बेगम खेड़ी क्षेत्र में निर्माणाधीन 40 एमएलडी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत प्रोजेक्ट 2.0 के तहत पैकेज क्रमांक-3 में किए जा रहे सीवर लाइन नेटवर्क कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं एजेंसी प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि कार्यों में तेजी लाई जाए तथा गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निर्माण कार्यों में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा संकेतक, बैरिकेडिंग एवं सावधानी संबंधी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की स्थिति का सामना न करना पड़े।

इसके पश्चात आयुक्त ने किला मैदान कृषि मंडी कार्यालय के पीछे निर्माणाधीन 35 एमएलडी एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित एजेंसी से री-यूज वाटर लाइन के अलाइनमेंट एवं पाइपलाइन बिछाने की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की।

आयुक्त श्री सिंघल ने निर्देशित किया कि ट्रीटेड पानी के पुनः उपयोग की व्यवस्था को प्रभावी रूप से विकसित किया जाए, जिससे जल संरक्षण को बढ़ावा मिले तथा शहर में जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित हो सके।

इंदौर में ऐसा रहेगा अगले एक सप्ताह का मौसमः दोपहर में सताएगी गर्मी, रात में रहेगी राहत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अगले सप्ताह शहरवासियों को गर्मी का असर बरकरार रहेगा सिर्फ तीव्र गर्मी से राहत रहेगी। दोपहर में निकलने वाली धूप सताएगी तो वही रात के समय हवाएं राहत देगी।

भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक अभी धरातल पर चल रही हवाओं की गति सुबह से 9.30 बजे के बाद से रूक - रूककर 35 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा बनी हुई है। इस वजह से इंदौर में अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी नहीं हो रही। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन भी पारा ज्यादा नहीं बढ़ेगा और 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहने की संभावना है। वर्तमान में प्रेशर ग्रेडिएंट बनने के कारण गुजरात की ओर पश्चिमी हवाएं आ रही है। इस वजह से अभी तीव्र गर्मी का असर कम है।

सप्ताह के अंत में हवाओं का रुख बदलने से तापमान में गिरावट दिखाई देने की संभावना है। अभी इंदौर सहित पश्चिमी मप्र के शहरों मे तीव्र गमी से राहत है। पश्चिमी मप्र में ग्वालियर चंबल व खंडवा व खरगोन वाले हिस्सों में तपिश ज्यादा है। पश्चिमी मप्र के मुकाबल पूर्वी मप्र में अभी तापमान ज्यादा बढ़े हुए। पिछले दो वर्षो के मुकाबले इस बार मई में गर्मी का असर ज्यादा दिखाई दे रहा है।

पेयजल व्यवस्था में लापरवाही पर सख्त हुए मुख्यमंत्री, जल आपूर्ति से जुड़े कर्मचारियों के अवकाश पर रोक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल प्रदाय व्यवस्था से जुड़े सभी विभागों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए तथा प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। इसके तहत नगरीय निकाय, पंचायत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई), जल निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के जल प्रदाय कार्य से जुड़े समस्त अमले के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। केवल अपरिहार्य परिस्थितियों में ही अवकाश स्वीकृत किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने रविवार को प्रदेश के सभी कलेक्टरों, नगरीय निकायों, पंचायत, पीएचई एवं जल निगम के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में सेंट्रल कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा पेयजल उपलब्धता की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जल संकट वाले क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से समय पर पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाए और टैंकरों के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों की पानी की टंकियों को समान रूप से भरा जाए तथा ऊर्जा विभाग के समन्वय से यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी नलजल योजना का बिजली कनेक्शन न कटे। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बोरवेल खनन आदि कार्यों के लिए 1500 करोड़ रुपये तथा पंचायतों को संधारण कार्यों हेतु अतिरिक्त 55 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिससे पेयजल व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

बैठक में मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि कंट्रोल रूम की निगरानी स्वयं कलेक्टर करें और जनप्रतिनिधियों, सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने आगामी एक माह के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर सख्ती से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने अधिकारियों से कहा कि सभी जल स्त्रोतों की नियमित निगरानी रखी जाए तथा वैकल्पिक जल स्त्रोतों की व्यवस्था भी पहले से सुनिश्चित की जाए। वहीं अपर मुख्य सचिव शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि 25 एवं 26 मई को आयोजित होने वाले गंगा दशहरा कार्यक्रमों को जल संरक्षण एवं पेयजल जागरूकता से जोड़कर जनोपयोगी बनाया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में इंदौर से संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, संयुक्त आयुक्त (विकास) शिवानी वर्मा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिले की पेयजल व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों को सुचारू रूप से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उन्होंने बताया कि टैंकरों के माध्यम से जल वितरण व्यवस्था भी निरंतर संचालित की जा रही है। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में जलापूर्ति व्यवस्था पर महापौर की सख्त नजर, स्कीम नंबर-54 की पानी टंकी का किया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच नागरिकों को निर्बाध एवं शत-प्रतिशत जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव लगातार व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने विजयनगर स्थित स्कीम नंबर-54 की पानी की टंकी का औचक निरीक्षण किया और जल वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने टैंकरों की लॉग बुक की गहन जांच की तथा दर्ज विवरण के आधार पर संबंधित आवासीय योजना के रहवासियों से दूरभाष पर चर्चा कर वास्तविक जलापूर्ति स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नागरिकों से पानी की उपलब्धता, समय पर सप्लाई एवं वितरण व्यवस्था को लेकर फीडबैक भी लिया। महापौर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस मौसम में नागरिकों को समय पर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही जल वितरण से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

गंगा दशमी पर अन्नपूर्णा तालाब के विकास कार्यों का होगा भूमि पूजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमी पर्व पर 25 मई को प्रातः 8 बजे अन्नपूर्णा तालाब (जलाशय) पर पूजन-अर्चन एवं विकास कार्यों का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, महापौर परिषद सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। जलकार्य प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा ने बताया कि लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से अन्नपूर्णा तालाब के विकास एवं सौंदर्यकरण कार्य किए जाएंगे। इसके अंतर्गत छठ पूजन घाट, प्रवेश द्वार तथा अन्य आवश्यक विकास कार्यों का निर्माण कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जलाशय पूजन के साथ विकास कार्यों का विधिवत भूमि पूजन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण, संवर्धन एवं सौंदर्यकरण कर जनभागीदारी के माध्यम से जल संरचनाओं को मजबूत बनाना है। अन्नपूर्णा तालाब के विकास से क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

गर्भावस्था में पांचवें माह में एक शिशु की हो चुकी थी मौत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के शासकीय पीसी सेठी अस्पताल में गर्भ में एक शिशु की मृत्यु के बावजूद दूसरे शिशु का सुरक्षित प्रसव हुआ। मां और बच्चा दोनों स्वस्थ है।

अस्पताल में 37 वर्षीय गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा के साथ पहुंची थी। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद पता चला कि महिला की गर्भावस्था नौ माह पूर्ण हो चुकी है। महिला के पूर्व रिकार्ड देखने पर ज्ञात हुआ कि गर्भ में जुड़वा शिशु थे, लेकिन दुर्भाग्यवश एक शिशु की गर्भावस्था के पांचवें महीने में ही मृत्यु हो चुकी थी। स्थिति जटिल थी क्योंकि दोनों शिशु एक ही थैली में थे।

विशेषज्ञों ने बिना विलंब किए महिला की शल्य क्रिया की और दूसरे शिशु का सुरक्षित प्रसव कराया। जन्म लेने वाला शिशु लगभग 3.75 किलोग्राम वजन का है और पूरी तरह स्वस्थ है। मां की जटिल स्थिति को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध किए। विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ शिशु का जन्म किसी भी परिवार के लिए सबसे बड़ा उपहार माना जाता है। चिकित्सकों और स्वास्थ्य संस्थानों की पहली प्राथमिकता हमेशा मां और शिशु की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सुरक्षित प्रसव कराना होती है।

12 हजार में एक ऐसा मामला - डॉ. कोमल विजयवर्गीय ने बताया कि इस तरह के प्रसव 12 हजार में एक होता हैं। आमतौर पर जुड़वा बच्चों में तीन माह में ही एक बच्चे की मौत हो जाती है। ऐसी स्थिति में बच्चा पीछे बच्चेदानी में चला जाता है। लेकिन इस मामले में बच्चा पांच माह तक जीवित रहा। जिससे संक्रमण होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। पीसी सेठी अस्पताल में इस तरह का यह पहला प्रसव है।

विशेषज्ञों ने बताया कि मृत शिशु पूरी तरह कागज जैसी संरचना में परिवर्तित हो चुका था, फिर भी जीवित शिशु को किसी प्रकार का संक्रमण नहीं हुआ।

पति ने पत्नी का गला घोंटा और फिर जहर खाकर दे दी जान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के मेघदूत नगर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पति ने पत्नी की हत्या कर दी और खुद भी जान दे दी। जानकारी अनुसार शहर के मेघदूत नगर क्षेत्र में रविवार सुबह लोगों को घटना की जानकारी लगी। यहां पति ने पत्नी का गला घोंटकर मार डाला और इसके बाद उसने जहर खा लिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। घटना शनिवार रात की बताई जा रही है। पीथमपुर में लैब टेक्निशियन का काम करता था- आसपास के लोगों ने बताया कि मृत पति का नाम हल्केवीर पटेल है और उसकी पत्नी का नाम रोशनी है। शनिवार रात हल्केवीर पटेल ने अपनी पत्नी रोशनी पटेल का गला घोंटकर जान ले ली और इसके बाद जहर खाकर सुसाइड कर लिया।

प्रदेश में गिद्धों की संख्या में बढ़ोतरी, ग्रीष्मकालीन गणना में 10 हजार 742 गिद्ध दर्ज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना 2026-27 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन गणना का कार्य 22 मई से 24 मई तक ऑनलाइन ऐप के माध्यम से किया गया। सूर्योदय से सुबह 9 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वन वृत्तों, 9 टाइगर रिजर्व, वन विकास निगम क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों के सहयोग से गिद्धों की गणना की गई।

वन विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस वर्ष गणना में प्रदेशभर में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाए गए, जिनमें 9394 वयस्क तथा 1348 किशोर गिद्ध शामिल हैं। पिछले वर्ष 2025 में दर्ज 9509 गिद्धों की तुलना में इस बार लगभग 1200 गिद्धों की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसे गिद्ध संरक्षण के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

प्रदेश में गिद्ध गणना की शुरुआत वर्ष 2016 में की गई थी, तब 7028 गिद्धों का आंकलन हुआ था। इसके बाद नियमित रूप से शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन गणना की जा रही है। इस वर्ष पहली बार गिद्ध गणना ऑनलाइन ऐप के माध्यम से की गई, जिससे आंकड़ों का संकलन एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया अधिक तेज और प्रभावी हुई है।

गणना के लिए विशेष ऑनलाइन ऐप तैयार किया गया था, जिसके माध्यम से गणनाकर्मियों ने सीधे मौके से जानकारी दर्ज की। ऐप के उपयोग के लिए मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्व में ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया गया था। गणना के दौरान गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक सूर्योदय के तुरंत बाद चयनित घोंसलों और विश्राम स्थलों के पास पहुंचे तथा वहां बैठे गिद्धों और उनके नवजातों की संख्या दर्ज की। केवल आवास एवं विश्राम स्थलों पर बैठे गिद्धों को ही गणना में शामिल किया गया, जबकि उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं गिना गया।

इस अभियान में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ पक्षी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। गणना के डाटा संकलन एवं निगरानी के लिए वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

महंगे कोर्स, बढ़ती फीस और अव्यवस्थित स्कूल वाहनों से अभिभावक परेशान- राहुल कथिरिया

युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल कथिरिया ने शिक्षा विभाग से जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत और आगामी 1 जून से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से पहले क्षेत्र में निजी स्कूलों की बढ़ती फीस, महंगे कोर्स और स्कूल वाहनों की अव्यवस्थित व्यवस्था को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ने लगी है। महंगाई और आर्थिक तंगी के दौर में निजी स्कूलों द्वारा वसूली जा रही भारी फीस एवं महंगे कोर्स ने ग्रामीण और मध्यम वर्गीय परिवारों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। इसी मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल कथिरिया ने शिक्षा विभाग से निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने और जांच कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है ।

कथिरिया ने कहा कि वर्तमान समय में किसान, मजदूर और गरीब वर्ग पहले से ही आर्थिक संकट से जूझ रहा है। किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम नहीं मिल पा रहे हैं, वहीं मजदूर वर्ग को भी पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा है। ऐसे हालातों में बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाना अभिभावकों के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था को निजी स्कूलों द्वारा व्यापार का माध्यम बना लिया गया है, जिससे आम परिवार आर्थिक रूप से टूटने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई निजी स्कूलों द्वारा नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के कोर्स और किताबें 2000 से 2500 रुपए तक में बेची जा रही हैं, जबकि इनकी वास्तविक कीमत लगभग आधी है। स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों पर तय दुकानों से ही किताबें और स्टेशनरी खरीदने का दबाव बनाया जाता है। इसके कारण अभिभावकों को मजबूरी में महंगे दामों पर सामग्री खरीदनी पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन गया है।

कथिरिया ने कहा कि कई निजी स्कूलों में हर वर्ष यूनिफॉर्म, किताबें और अन्य शैक्षणिक सामग्री बदल दी जाती है, जिससे अभिभावकों को हर साल नया खर्च उठाना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा के नाम पर अभिभावकों का शोषण किया जा रहा है, जबकि सरकार और शिक्षा विभाग इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं।

स्कूल वाहनों की व्यवस्था को लेकर भी राहुल कथिरिया ने कहा कि कई निजी स्कूलों की बसों और वैन में सुरक्षा नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। अनेक वाहनों में न तो प्रशिक्षित कंडक्टर मौजूद रहते हैं और न ही बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। कई वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, बीमा और परमिट तक पूरे नहीं हैं, इसके बावजूद बच्चों को रोजाना इन वाहनों में सफर कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कई स्कूल वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जाता है, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। अभिभावकों द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। इससे निजी स्कूल संचालकों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कथिरिया ने कहा कि भारत में शिक्षा को मां सरस्वती का दर्जा दिया गया है और विद्या को सबसे बड़ा दान माना गया है। ऐसे में शिक्षा को व्यवसाय बनाकर आमजन का आर्थिक शोषण करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों का भविष्य निर्माण होना चाहिए, न कि मुनाफाखोरी।

कथिरिया ने शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से मांग की कि निजी स्कूलों की फीस, महंगे कोर्स, यूनिफॉर्म और परिवहन व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कर दोषी संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही स्कूल वाहनों की नियमित जांच कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि अभिभावकों को राहत मिल सके और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे।

मोहन आओ तो सही, की गूंज पर थिरके महेश के वंशज

श्री गोदा रंगनाथ विवाह महोत्सव में डॉ. गोविन्द माहेश्वरी की भजन संध्या ने बांधा समाँ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर में माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्री गोदा रंगनाथ विवाह महोत्सव में शनिवार रात रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में आयोजित भव्य भजन संध्या भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक आनंद से सराबोर रही। प्रसिद्ध भजन गायक डॉ. गोविन्द माहेश्वरी (एलेन, कोटा) ने अपने मधुर कंठ से एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को देर रात तक भक्ति रस में डुबोए रखा। भजन संध्या में जैसे ही डॉ. माहेश्वरी ने मोहन आओ तो सही, गिरधर आओ तो सहीज की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, पूरा सभागार तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में झूमते नजर आए। इसके बाद जगन्नाथ चका नैनज भजन ने वातावरण को पूरी तरह धार्मिक व आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। भजन संध्या में मीठी रस से भरियोली राधा रानी लागेज की मधुर प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को राधा-कृष्ण प्रेम रस में भावविभोर कर दिया। वहीं आओ मेरी सखियों मुझे मेहंदी लगा दोज भजन के साथ विवाह महोत्सव का उल्लास और अधिक जीवंत हो उठा। महिलाओं एवं युवतियों ने उत्साहपूर्वक भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम में आजा आजा रे कन्हाई तेरी याद आईज की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं की आंखें नम कर दीं, वहीं आज बिरज में होली री रसियाज पर पूरा माहौल भक्तिमय उत्सव में बदल गया। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नृत्य करते नजर आए।

वारी में गूँजा गोविंदा-गोविंदा - बता दे की 4 दिवसीय महोत्सव धर्मप्रवर्तकाचार्य परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री श्रीनिवासाचार्य स्वामीजी महाराज एवं बालक स्वामीजी श्री श्री 1008 श्री अनंताचार्य स्वामीजी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित हो रहा है। तीसरे दिन शाम को परिसर में भगवान की सवारी याने वारी का भ्रमण हुआ। साथ ही कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री गोदा रंगनाथ की संध्या आरती, अन्नकूट भोग दर्शन एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन भी संपन्न हुए।

विमोचन और पदग्रहण समारोह संपन्न - इसी अवसर पर शिवांशी पत्रिका का विमोचन एवं माहेश्वरी महिला मंडल के नवीन पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह भी गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। जिसमे माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष सोनल चौधरी (मंडोवरा), सचिव राखी परवाल एवं कोषाध्यक्ष शिखा चिचानी सहित नवगठित समिति ने पद की शपथ ली।

सीएस ने वीसी के माध्यम से पीएचई विभाग के कार्यों की समीक्षा की

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्थाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गहन समीक्षा की। बैठक में सभी निकायों को पेयजल को प्राथमिकता देते हेतु ग्रीष्म ऋतु में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव श्री जैन ने प्रदेश के विभिन्न निकायों में संचालित पेयजल योजनाओं, जल आपूर्ति व्यवस्था तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए निर्देशों का समय-सीमा में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर मिले।

विदिशा जिले के एनआईसी वीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओपी सनोडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित पेयजल परियोजनाओं, जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगति तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता की स्थिति पर चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने जिले में संचालित योजनाओं की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करते हुए बताया कि शासन के निर्देशानुसार सभी परियोजनाओं की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही जलापूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मैदानी अमले को सक्रिय रखा गया है।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा खराब हैंडपंपों एवं जल स्त्रोतों के सुधार कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

राजपूत सिंह सभा द्वारा अंतिम हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर व्याख्यानमाला आयोजित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजपूत सिंह सभा के संयोजक एम. पी. सिंह परिहार की अध्यक्षता में, इतिहासकार एवं श्री नट नागर शोध संस्थान सीतामऊ के शोधकर्ता डॉ. सहदेव सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में संगठन के कार्यालय गोल्ड स्क्वेयर बिल्डिंग में पृथ्वीराज चौहान के चित्र पर माल्यार्पण कर जन्म जयंती धूमधाम से मनाई गई कार्यक्रम में राजपूत सिंह सभा के वरिष्ठ सदस्य एडवोकेट जोगिंदर सिंह तोमर, विजेंद्र सिंह चौहान, जसवंत सिंह परिहार, शंभू सिंह चुंडावत, हरनाथ सिंह चौहान, भारतसिंह तोमर, अजय सिंह चौहान, रोहित सिंह चौहान आदि तमाम समाजजन उपस्थित हुए। सभी उपस्थित अतिथियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान जोगेंद्र सिंह तोमर ने हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान की वीरता के संबंध में बताया और आज के क्षत्रिय समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों का अनुसरण करने हेतु सलाह दी गई। शंभू सिंह चुंडावत ने बहुत ही महत्वपूर्ण वक्तव्य हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के संबंध में दिए और उनके संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के अध्यक्ष एम. पी. सिंह परिहार ने अपने उद्बोधन में ÷चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमान, ता ऊपर सुल्तान है, मत चूके चौहान÷ लाइनों की व्याख्या करते हुए बताया कि जब मोहम्मद गोरी ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाकर उनकी आंखें फोड़ दी थीं, तब उनके कवि चंद्रवरदाई के द्वारा उक्त दोहे के माध्यम से सम्राट को सुल्तान के बैठे रहने की जगह की दूरी को बताया गया था। क्योंकि उनमें शब्दभेदी बाण चलाने की क्षमता थी, उक्त लाइनों के आधार पर ही उनके द्वारा बाण चलाकर मोहम्मद गोरी को मारा गया था, आदि विस्तार से बताया। इतिहासकार एवं मुख्य अतिथि डॉ. सहदेव सिंह चौहान के द्वारा बड़े ही सारगर्भित और विस्तृत रूप में सम्राट पृथ्वीराज चौहान के बारे में समझाया गया। इतिहास में अलग-अलग धारणाएं, जैसे %पृथ्वीराज रासो% और अन्य लेखों में अलग-अलग धारणाएं उनके बारे में व्यक्त की गई हैं, जिनको उनके द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। कार्यक्रम में जसवंत सिंह परिहार, हरनाथ सिंह चौहान, भारतसिंह तोमर आदि के द्वारा भी संबोधित किया गया। मुख्य रूप से सभी के द्वारा अंतिम हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के द्वारा किए गए क्षत्रिय वंश के लिए बलिदान, त्याग और वीरता के कार्यों का आज भी राजपूत समाज को अनुसरण करना चाहिए और अपनी एकता का परिचय देकर अपने समाज और राजपूत वंश की पुरानी परंपराओं को जीवित रखना चाहिए, ऐसा कहा गया। कार्यक्रम का संचालन बृजेंद्र सिंह चौहान द्वारा किया गया। आभार विजेंद्र सिंह चौहान द्वारा माना गया।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक सम्पन्न

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा बैठक आज प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की जनपदवार एवं उपयंत्रीवार प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में पूर्ण, प्रगतिरत, घोषित, हस्तांतरित एवं प्रमाणीकृत योजनाओं की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रभारी कलेक्टर श्री डामोर ने निर्देश दिए कि पूर्ण हो चुकी योजनाओं का हस्तांतरण तथा हस्तांतरित योजनाओं का प्रमाणीकरण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही प्रगतिरत नल-जल योजनाओं में शेष घरेलू नल कनेक्शनों की जानकारी लेकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए जिले की पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। बैठक में निर्देशित किया गया कि जलस्तर कम होने के कारण बंद पड़े हैंडपंपों के आसपास जल संवर्धन एवं भू-जल पुनर्भरण संबंधी कार्य कराए जाएं।

जीरन तालाब के हाथी मंदिर घाट पर चला सफाई श्रमदान अभियान

जल गंगा संवर्धन अभियान एवं नप जीरन के गौरव दिवस कार्यक्रम संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान तथा नगर परिषद जीरन के गौरव दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को जीरन तालाब के हाथी मंदिर घाट पर साफ सफाई के लिए श्रमदान किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री रामकरण सागवारिया, उपाध्यक्ष श्री मुकेश राव तावरे, पार्षदगण, निकाय के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता कर घाट की साफ-सफाई की। सभी ने तालाब परिसर से जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा एवं अन्य गंदगी हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि जल संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों की सफाई एवं संरक्षण का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। नगर परिषद के गौरव दिवस पर इस तरह के कार्यक्रम से नागरिकों में स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी जीरन ने नागरिकों से अपील की है कि वे तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें तथा कचरा इधर-उधर न फेंकें।

शामगढ़ थाना : बिना नंबर की स्विफ्ट कार से 22 किलो डोडाचूरा जब्त, आरोपी फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शामगढ़ थाना पुलिस ने पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध अभियान अंतर्गत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में एवं एएसपी हेमलता कुरील एवं दिनेश प्रजापति एसडीओपी सीतामऊ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शामगढ़ उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय की टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए 23 मई को एक बिना नंबर की स्विफ्ट कार से डोडाचूरा जब्त किया है। घटना अनुसार 23 मई को थाना शामगढ़ पुलिस द्वारा दिल्ली मुंबई 08 लाईन एक्सप्रेस वे के नीचे ग्राम साकरियाखेडी के पास अंडरब्रिज के यहा चेकिंग की गई। इस दौरान एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया गया, जो स्विफ्ट कार चालक गाडी को भगाकर ग्राम सगोरिया के कच्चे रास्ते पर मगरे के पास तालाब किनारे ले जाकर वाहन को छोडकर भाग गया। स्विफ्ट वाहन की चेकिंग करते उक्त वाहन से कुल 22 किलो डोडाचूरा पाया गया। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ़, का. सउनि शारदा प्रसाद तिवारी, आरक्षक धर्मेश बैरागी, विशाल चौहान, प्रेम कुमार, हीरालाल का सराहनीय योगदान रहा।

सिंगोली के युवा लेखक वैभव सोनी ने बढ़ाया नगर का गौरव, पहला उपन्यास ‘कमवक्त’ का इंदौर में लोकार्पण

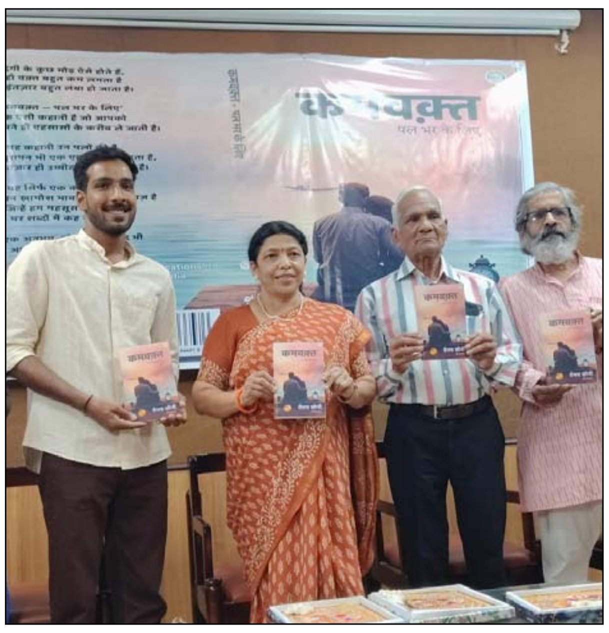

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की मिट्टी से जुड़े युवा लेखक वैभव सोनी ने साहित्य जगत में छोटी उम्र में बड़ा मुकाम हासिल कर सिंगोली का नाम रोशन किया है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में शनिवार शाम उनके प्रथम उपन्यास ‘कमवक्त’ का लोकार्पण हुआ।

कार्यक्रम में प्रख्यात लेखिका सीमा व्यास मुख्य अतिथि रहीं, वहीं हेराम वाजपेयी, डॉ. सोनाली नरगुदे व प्रदीप नवीन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से उपन्यास का विमोचन कर वैभव के साहित्यिक प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना की।

सिंगोली से निकलकर साहित्य तक का सफर- वैभव सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि ÷सिंगोली की गलियों से निकला हूं। यह मेरा पहला उपन्यास है। रचना यात्रा में वरिष्ठ साहित्यकारों, शिक्षकों व मित्रों का मार्गदर्शन मिला, लेकिन सबसे बड़ी प्रेरणा मेरी जन्मभूमि सिंगोली वह मेरे माता पिता रहे हैं। सिंगोली के लोगों एवं परिवार ने जो संस्कार दिए, वही मेरी कलम की ताकत है।÷

क्या है ‘कमवक्त’ में- वक्ताओं ने कहा कि उपन्यास की विषयवस्तु समकालीन समाज से जुड़ी है और यह युवाओं को नई दृष्टि देता है। वैभव ने साबित किया कि छोटे कस्बों से भी बड़ी सोच निकल सकती है।

सिंगोली में खुशी की लहर- वैभव की इस उपलब्धि पर नगर में हर्ष का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि वैभव जैसे युवा अपनी कलम से नगर का नाम रोशन कर रहे हैं। यह हर सिंगोली वासी के लिए यह गर्व का क्षण है।÷

नगर के साहित्य प्रेमियों ने मांग की है कि नगर परिषद द्वारा वैभव सोनी का सम्मान समारोह आयोजित कर युवाओं को प्रेरित किया जाए।

नीमच के तिलस्वा घाट में बड़ा हादसा ! भीलवाड़ा से सिंगोली आ रही बस खाई में उतरी, यात्री घायल

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के सिंगोली तहसील स्थित तिलस्वा घाट पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया है। जानकारी अनुसार भीलवाड़ा से सिंगोली की ओर आ रही एक निजी यात्री बस तिलस्वा घाट के कुख्यात और खतरनाक मोड़ पर अचानक अनियंत्रित हो गई। देखते ही देखते बस अपना संतुलन खो बैठी और सीधे गहरी खाई में जा गिरी।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मंजर बेहद रोंगटे खड़े कर देने वाला था। अनियंत्रित बस खाई में गिरते समय करीब तीन बार पलटी खाती हुई नीचे जा गिरी। बस की हालत भयावहता की गवाही दे रही है। बस में लगभग 30 यात्री सवार थे। खाई में गिरते ही चीख-पुकार मच गई और हर तरफ अफरा-तफरी का आलम हो गया। कई घायलों को खरोंच और रगड़ के साथ-साथ चोटे आई हैं.

राहत और बचाव कार्य जारी, प्रशासनिक अमला मुस्तैद- घटना की सूचना मिलते ही सिंगोली पुलिस और स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युद्ध स्तर पर राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल बाहर निकालकर एंबुलेंस और अन्य निजी वाहनों के जरिए अस्पताल रवाना किया गया है। हालांकि, अभी तक घायलों की सही संख्या और उनकी स्थिति को लेकर प्रशासन की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कई यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की आशंका जताई जा रही है।

खतरनाक मोड़ बना काल, ग्रामीणों में आक्रोश- हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा की गनीमत है कोई जनहानी नहीं हुई, लेकिन साथ ही आरोप लगाया कि तिलस्वा घाट का यह मोड़ डेथ ट्रैप बना हुआ है और पूर्व में भी यहाँ कई हादसे हो चुके हैं। लोगों ने सख्त लहजे में कहा कि प्रशासन की लापरवाही के कारण यह मोड़ आज कई लोगों के लिए काल बन गया है। अब स्थानीय जनता इस खतरनाक मोड़ को तत्काल सुधारने और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग कर रही है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और घायलों का उपचार किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में भी मजबूत हो रही आस्था की डोर, अंबाजी धाम निपानिया में पहुंच रहे हैं हजारों भक्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले के दलौदा व अफजलपुर से लगे हुए गांव निपानिया में अंबाजी धाम के नाम से प्रसिद्ध माताजी के मंदिर पर प्रत्येक रविवार को विशेष आरती में पहुंच रहे हैं हजारों भक्त। एक तरफ भीषण गर्मी अपने चरम पर है, तो वहीं दूसरी तरफ भक्तों की आस्था भी अपने चरम पर है। प्रत्येक रविवार को होने वाली विशेष आरती में दुर दराज से हजारों भक्त अंबाजी धाम निपानिया पहुंच रहे हैं और माता जी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। अंबाजी धाम के पूज्य गुरुदेव ने बताया कि कई वर्षों की साधना का प्रतिफल है यह कि आज हजारों भक्त यहां पहुंच रहे हैं और उन्हें मां का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। दूर-दराज से भक्त मां के दरबार में अपनी मन्नत व दुखों को लेकर पहुंचते हैं और माताजी अपने आशीर्वाद से भक्तों के कष्ट हरती है, उन्होंने आगे बताया कि मैं तो मात्र यहां का सेवक हूं साथ ही कथावाचक भी हूं। मां के आशीर्वाद से प्रत्येक कथा में छठे दिन दिव्य दरबार लगता है, जिसमे भक्तों की अर्जी लगती है परंतु केवल दिव्य दरबार या अर्जी ही नहीं मां की आराधना तो किसी भी परिस्थिति में भक्त कर सकते हैं और आपकी सच्ची आराधना और भक्ति से ही आपको यह प्रतिफल प्राप्त हो रहा है। मैं धाम पर मिलूं या ना मिलूं लेकिन, आप माताजी के दर्शन कर आशीर्वाद जरूर प्राप्त करें आपकी सारी मनोकामनाएं माता रानी पूर्ण करें मैं ऐसी कामना करता हूं।

सम्पादकीय

कॉकरोच जनता पार्टी- अपमान से जन्मा डिजिटल जनविद्रोह

सपनों की उम्र जब नीट के पेपर लीक, अधूरी भर्तियों और बेरोजगारी में उलझे, तब गुस्सा भीतर ही भीतर जमा होने लगता है। 15 मई 2026 की अदालत टिप्पणी ने उसी दबे आक्रोश को आवाज दी। जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में कुछ बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच और परजीवी कहा, तो यह बयान पूरी पीढ़ी के आत्मसम्मान पर चोट बन गया। युवाओं ने चुप रहने के बजाय अपमान को प्रतिरोध में बदला दिया। कुछ ही दिनों में कॉकरोच जनता पार्टी अभियान सोशल मीडिया पर फैल गया और उसके फॉलोअर्स कई मिलियन पार कर गए। यह लोकप्रियता नहीं, बल्कि गहरे असंतोष और टूटते भरोसे का संकेत है, जिसे युवा लंबे समय से भीतर दबाए बैठे हैं। अभिजीत दीपके ने इसे व्यंग्य के रूप में शुरू किया था, लेकिन अब यह मजाक की सीमा बहुत पीछे छोड़ चुका है।

यह सिर्फ इंटरनेट पर चल रहा कोई क्षणिक मजाक या मीम अभियान नहीं है; इसके पीछे उस पीढ़ी की घुटन है, जो डिग्री लेकर भी बेरोजगारी की कतारों में खड़ी है। प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक हो जाते हैं, भर्तियां रद्द होती हैं और परिणाम अटक जाते हैं। लाखों युवा कोचिंग में समय, पैसा और मानसिक शांति खो रहे हैं। ऐसे में जब व्यवस्था उन्हें परजीवी की नजर से देखे, तो आक्रोश फूटना स्वाभाविक है। युवाओं ने कॉकरोच शब्द को अपमान नहीं, बल्कि प्रतिरोध की पहचान बना दिया। उनका संदेश है – व्यवस्था उन्हें कितना भी कुचलने की कोशिश करे, वे मिटने वाले नहीं हैं। जैसे कॉकरोच हर कठिन परिस्थिति में जीवित रह जाता है, वैसे ही यह पीढ़ी भी संघर्षों के बीच खुद को बचाए रखने की लड़ाई लड़ रही है।

लंबे भाषणों और नारों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी ने व्यंग्य को अपना हथियार बना लिया है। जहां पारंपरिक राजनीतिक दल विचारधाराओं में उलझते हैं, वहीं यह अभियान मीम्स, छोटे वीडियो और इंटरनेट संस्कृति से युवाओं से जुड़ रहा है। इसकी सदस्यता की शर्तें भी व्यवस्था पर तंज हैं – बेरोजगार होना, दिनभर ऑनलाइन रहना, पेशेवर ढंग से शिकायत करना और आलसी दिखना। पहली नजर में यह मजाक लगता है, लेकिन इसमें आज के युवा भारत की सच्चाई छिपी है। करोड़ों युवाओं के पास डिग्री और मेहनत है, पर अवसर नहीं। इसी कारण सोशल मीडिया पर लाखों युवा मैं भी कॉकरोच हूं कहकर अपनी पीड़ा साझा कर रहे हैं। कोई 5 साल से परीक्षा की तैयारी में अटका है, किसी को साक्षात्कार के बाद भी नौकरी नहीं मिली, तो कोई असफलताओं से टूट चुका है।

यह आंदोलन केवल बेरोजगारी नहीं, बल्कि युवाओं के मानसिक दबाव को भी उजागर कर रहा है। नौकरी का अभाव सिर्फ आय नहीं छीनता, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मसम्मान को कमजोर करता है। देश में युवा अवसाद, अकेलेपन और भविष्य के भय से जूझ रहे हैं। छोटे शहरों और गांवों से छात्र बड़े शहरों में कोचिंग और नौकरी की तलाश में आते हैं, लेकिन असफलता और असुरक्षा उनका पीछा करती है। परिवार की उम्मीदें, समाज के ताने और सोशल मीडिया की बनावटी सफलताएं इस दबाव को बढ़ा देती हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने इस दर्द को सार्वजनिक चर्चा में जगह दी है। यही कारण है कि यह आंदोलन इंटरनेट से आगे बढ़कर दिल्ली, मुंबई, पुणे और बेंगलुरु जैसे शहरों में ऑफलाइन मुलाकातों और छोटे कस्बों में व्हाट्सऐप समूहों के जरिए लोगों को जोड़ रहा है।

स्क्रीन पर उठती प्रतिक्रियाएं अब वैश्विक राजनीति की नई शुरुआत बन चुकी हैं। पिछले दशक में कई बड़े जनआंदोलन सोशल मीडिया से ही शुरू हुए। अरब स्प्रिंग में युवाओं ने फेसबुक और ट्विटर से सत्ता को चुनौती दी, श्रीलंका के आर्थिक संकट में ऑनलाइन गुस्सा सड़कों तक पहुंचा और सरकार परिवर्तन हुआ, जबकि बांग्लादेश में छात्रों ने डिजिटल मंचों को आंदोलन का साधन बनाया। इसी बदलाव के बीच भारत में कॉकरोच जनता पार्टी एक नए दौर का संकेत देती है, जहां इंटरनेट केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जनभावनाओं का मंच बन चुका है। यहां शुरुआत गंभीर नारों से नहीं, बल्कि व्यंग्य और हास्य से हुई है। लेकिन इतिहास बताता है कि कई बार सबसे हल्की हंसी के भीतर गहरा असंतोष छिपा होता है।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह केवल डिजिटल शोर बनकर रह जाएगा या आगे चलकर चुनावी ताकत में बदल पाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी के पास फिलहाल कोई संगठित ढांचा नहीं है–न चुनावी मशीनरी, न संसाधन और न मजबूत जमीनी नेटवर्क। लेकिन उसकी ताकत उसी जगह है जहां आज राजनीति बदल रही है–डिजिटल स्पेस। लाखों युवाओं का जुड़ना दिखाता है कि देश में असंतोष का नया रूप उभर रहा है। यदि यह आंदोलन छात्र संगठनों, बेरोजगार युवाओं या क्षेत्रीय शक्तियों से जुड़ता है, तो यह पारंपरिक दलों के लिए चुनौती बन सकता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने भी इसे युवा असंतोष का प्रतिबिंब माना है। साफ है कि अब सत्ता और विपक्ष दोनों इसे नजरअंदाज नहीं कर पा रहे हैं।

डिजिटल युग में किसी आंदोलन की असली परीक्षा केवल उसकी लोकप्रियता नहीं, बल्कि उस पर सत्ता की प्रतिक्रिया भी होती है। सोशल मीडिया पर खातों को सीमित करना, सामग्री हटाना और इस अभियान को राष्ट्रविरोधी या अराजक बताने की कोशिशें दिखाती हैं कि इसे हल्के में नहीं लिया जा रहा। लेकिन इंटरनेट के दौर में विचारों को पूरी तरह रोकना कठिन है, खासकर जब वे करोड़ों युवाओं के अनुभव से जुड़े हों। यही कारण है कि कॉकरोच का प्रतीक इतना प्रभावी बन गया है – वह दबाने पर भी खत्म नहीं होता। आज का युवा पारंपरिक मीडिया पर निर्भर नहीं है; वह स्वयं कंटेंट बनाता है, विचार गढ़ता है और वायरल कर देता है।

गृहस्थ जीवन में आत्मसाक्षात्कार का सरल मार्ग – सहजयोग

योग का वास्तविक अर्थ है – जुड़ना, मिलना और पूर्णता की ओर अग्रसर होना। मानव जीवन सदैव किसी ऐसी शक्ति की खोज में रहता है, जो उसे आंतरिक शांति, संतुलन और आत्मिक आनंद प्रदान कर सके। विज्ञान भी यह सिद्ध करता है कि प्रकृति का प्रत्येक कण अपने अस्तित्व को पूर्ण करने के लिए दूसरे तत्वों से जुड़ने का प्रयास करता है। उसी प्रकार मनुष्य भी आत्मा और परमात्मा के मिलन की सहज अनुभूति चाहता है।

युगों से आत्मज्ञान और आत्मसाक्षात्कार के अनेक मार्ग बताए गए हैं। अधिकांश मार्ग संसार से दूर होकर वैराग्य अपनाने की प्रेरणा देते हैं, किंतु भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी आध्यात्मिक उत्कर्ष का मार्ग दिखाती है। परिवार, समाज और अपने दायित्वों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण पालन करते हुए आत्मिक उन्नति करना ही वास्तविक सहजयोग है।

पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रदत्त सहजयोग आत्मोन्नति की एक अत्यंत सरल, सर्वसुलभ एवं निःशुल्क साधना पद्धति है। सहजयोग में साधना की शुरुआत वहीं से होती है, जहां तक पहुंचने के लिए साधकों को वर्षों के कठिन तप और साधना से गुजरना पड़ता है। श्री माताजी की कृपा से साधक क्षणमात्र में आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर परम चैतन्य से जुड़ने का अनुभव कर सकता है।

सहजयोग की विशेषता यह है कि इसमें संसार, परिवार या सामाजिक उत्तरदायित्वों का त्याग नहीं करना पड़ता। न ही किसी प्रकार का आर्थिक शुल्क देना होता है। केवल विनम्रता, श्रद्धा और पूर्ण समर्पण ही इसकी आधारशिला हैं। यह साधना व्यक्ति को अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या तथा दुर्व्यसनों से मुक्त कर प्रेम, आनंद और संतोष से परिपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देती है। सहजयोग के नियमित अभ्यास से मानसिक तनाव कम होता है, विचारों में शांति आती है तथा व्यक्ति निर्विचार ध्यान की अवस्था का अनुभव करता है। यही अवस्था आंतरिक संतुलन और आत्मिक जागृति का द्वार खोलती है।

मोहमदी का गौरव बने डॉ.गोविंद गुप्ता,साहित्य को दिलाई वैश्विक पहचान

उत्तर प्रदेश के एक छोटे से कस्बे मोहमदी से निकलकर साहित्य, समाजसेवा और सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में वैश्विक पटल पर विशेष पहचान बनाने वाले डॉ. गोविन्द गुप्ता आज हजारों साहित्य प्रेमियों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। सीमित संसाधनों और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से शुरू हुई उनकी यात्रा आज उस मुकाम तक पहुंच चुकी है, जहां देश ही नहीं बल्कि विदेशों के साहित्यकार भी उनके द्वारा स्थापित केतकी व गोमती साहित्य रत्न सम्मान को प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं।

लखीमपुर खीरी के मोहमदी कस्बे में जन्मे डॉ. गोविन्द गुप्ता ने जीवन की कठिन परिस्थितियों के बीच संघर्ष करते हुए यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प मजबूत हो और उद्देश्य समाजहित का हो, तो सीमाएं भी रास्ता नहीं रोक पातीं। बचपन से ही समाज के प्रति संवेदनशील रहे गोविन्द गुप्ता ने हमेशा जरूरतमंदों की सहायता को प्राथमिकता दी। समाजसेवा के क्षेत्र में उन्होंने जो कार्य किए, वे आज भी लोगों के बीच मिसाल के रूप में देखे जाते हैं।

डॉ. गोविंद गुप्ता ने समाज के सहयोग से 700 से अधिक बेटियों के विवाह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सहयोग किसी वरदान से कम नहीं रहा। इसके अतिरिक्त शिक्षा, स्वास्थ्य, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक जागरूकता जैसे अनेक क्षेत्रों में भी उन्होंने सक्रिय योगदान दिया। समाज के प्रति उनकी यही प्रतिबद्धता उन्हें लोगों के बीच लोकप्रिय बनाती चली गई। समाजसेवा के साथ-साथ उनकी साहित्यिक यात्रा भी निरंतर आगे बढ़ती रही। कवि सम्मेलनों, साहित्यिक गोष्ठियों और सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने उन्हें साहित्य जगत में अलग पहचान दिलाई। उनकी रचनाओं में सामाजिक सरोकार, मानवीय संवेदनाएं और भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई देती है। यही कारण है कि उनकी कविताएं और लेखन आम जनमानस से सीधे जुड़ते हैं।

डॉ. गोविन्द ने साहित्यिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता करते हुए 20 साहित्यिक विश्व रिकॉर्ड आयोजनों में भाग लेकर एक अनूठा कीर्तिमान भी स्थापित किया। देश-विदेश के मंचों पर उनकी उपस्थिति ने मोहमदी जैसे छोटे कस्बे को राष्टीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई।यद्यपि

साहित्यिक यात्रा के दौरान उन्हें कई कटु अनुभवों का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने देखा कि कुछ संस्थाएं सम्मान और पुरस्कारों को व्यवसाय बना चुकी हैं, जहां प्रतिभा से अधिक पैसे को महत्व दिया जाता है। कई बार उन्हें भी इस प्रकार के तथाकथित पुरस्कार खरीदने के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने साफ इनकार कर दिया। इसी अनुभव ने उनके भीतर एक नई सोच को जन्म दिया। उन्होंने संकल्प लिया कि वे ऐसे सम्मान की शुरुआत करेंगे, जहां प्रतिभा, साहित्यिक योगदान और व्यक्तित्व को महत्व मिलेगा, न कि धन को। इसी उद्देश्य से उन्होंने साहित्यकार मुकेश पटेल के साथ मिलकर कथाकुंज साहित्य सेवा परिषद की स्थापना की और केतकी व गोमती साहित्य रत्न सम्मान की शुरुआत की।इस सम्मान का नाम भी बेहद विशेष और सांस्कृतिक महत्व से जुड़ा हुआ है। केतकी दुर्लभ और सुगंधित पुष्प का प्रतीक है, जबकि गोमती क्षेत्र की आस्था और सांस्कृतिक पहचान मानी जाती है।

डॉ.गोविंद गुप्ता का उद्देश्य इस सम्मान के माध्यम से मोहमदी की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल तक पहुंचाना था।स्थानीय मित्रों,जन प्रतिनिधियों और साहित्य प्रेमियों के सहयोग से शुरू हुआ यह आयोजन आज साहित्य जगत में एक प्रतिष्ठित ब्रांड बन चुका है। सबसे खास बात यह है कि सम्मान चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रखी गई है। किसी प्रकार की सिफारिश, दबाव या आर्थिक लेन-देन को महत्व नहीं दिया जाता। साहित्यकारों की रचनात्मक सक्रियता, सामाजिक व्यवहार, साहित्यिक योगदान और सोशल मीडिया पर उनकी सकारात्मक साहित्यिक उपस्थिति के आधार पर चयन किया जाता है।

अभी तक पिछले चार आयोजनों में 74 साहित्यकार सम्मानित हो चुके हैं। इनमें देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ नेपाल और अमेरिका के साहित्यकार भी शामिल रहे हैं। इस वर्ष आयोजित होने वाले समारोह में देश के अलग-अलग प्रांतों सहित दुबई से भी साहित्यकार शामिल होंगे। कुल 21 साहित्यकारों को केतकी व गोमती साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।आज यह सम्मान साहित्यकारों के लिए गर्व और प्रतिष्ठा का विषय बन चुका है। अनेक रचनाकार इसे केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि साहित्यिक परिवार से जुड़ने का अवसर मानते हैं। इस सम्मान ने देश-विदेश के साहित्यकारों को एक मंच पर लाकर साहित्यिक संवाद और सांस्कृतिक एकता को भी मजबूत किया है।

डॉ. गोविन्द गुप्ता का मानना है कि साहित्य केवल शब्दों का संसार नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का माध्यम है। वे कहते हैं कि यदि संकल्प ईमानदार हो और उद्देश्य जनहित का हो, तो समाज का सहयोग अवश्य मिलता है।

मोहमदी जैसे कस्बे से शुरू हुई यह साहित्यिक यात्रा आज राष्टीय सीमाओं को पार कर अंतरराष्टीय पहचान बना रही है और डॉ. गुप्ता का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनता जा रहा है निकलकर साहित्य, समाजसेवा और सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में राष्टीय पहचान बनाने वाले डॉ. गोविन्द गुप्ता आज हजारों साहित्य प्रेमियों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

-डॉ. शंभु पंवार

वातानुकूलित मितव्यता के फैसले

देश इस समय मितव्यता के ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है। सरकार ने जनता को समझाया है कि राष्ट्हित में थोड़ा तो कष्ट उठाना पड़ेगा। इसलिए बड़े अधिकारियों ने त्याग की ऐसी मिसाल पेश की है कि पहले जो बैठकें सिर्फ पंखों में होती थीं, अब सेंट्रल एसी हॉल में होती सामूहिक, अब उनमें बिजली बचाओ का प्रस्ताव भी पास होगा। त्याग का यह महिमा देखकर पुराने संत-महात्मा भी अपनी गुफाओं में पछता रहे होंगे कि व्यर्थ ही जंगलों में तपस्या की, असली तप तो मंत्रालयों में चल रहा है। जिले के बड़े साहब ने घोषणा की कि सरकारी खर्च कम होना चाहिए। उन्होंने तुरंत आदेश निकाला कि दफ्तर में अब चाय केवल दो बार मिलेगी। तीसरी बार पीने वाला राष्ट्रविरोधी माना जाएगा। मगर उसी आदेश के नीचे पाँच नई वातानुकूलित गाड़ियों की स्वीकृति भी थी, क्योंकि गर्मी में भी राष्ट्रसेवा प्रभावित नही होनी चाहिए वह निर्बाध गति से चलनी चाहिए इसके लिए गाड़ियों का काफिला साथ में होना जरूरी है। साहब ने समझाया देखिए, देश पहले है, पसीना बाद में।

कर्मचारी बेचारा सोच रहा था कि देश आखिर किसका है? उसका, जो पंखे के नीचे फाइल सुखा रहा है, या उनका, जो ए.सी. की ठंडी हवा में मितव्यता का ताप झेल रहे हैं।

शिवपालगंज की तरह हमारे नगर में भी एक विकास समिति बनी। समिति का उद्देश्य था जनता को सादगी के लिए प्रेरित करना।समिति के अध्यक्ष के बंगले में पाँच टन का नया ए.सी. लगा। उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा हम सबको कम संसाधनों में जीना सीखना होगा।

भाषण इतना प्रेरणादायक था कि पीछे बैठे बाबू का पसीना रुक गया। वह बेहोश होकर गिर पड़ा। लोग बोले ÷देखो, आदमी पर विचारों का कितना असर हुआ!÷

अब देश में मितव्यता भी वर्गों में बंट गई है। गरीब आदमी मितव्यता करता है तो उसे मजबूरी कहते हैं, और अमीर आदमी करे तो राष्ट निर्माण में योगदान कहलाता है। मंत्री जी विदेश यात्रा में इकोनॉमी क्लास की चर्चा करते हैं, मगर साथ में दस लोगों का दल भी ले जाते हैं ताकि त्याग सामूहिक लगे। जनता गैस सिलेंडर बचाने के लिए लकड़ी जलाए, मगर सम्मेलन पाँच सितारा होटलों में ही होंगे, क्योंकि राष्ट की समस्याएँ बिना ठंडी हवा के हल नहीं होतीं।

देश के नेता जी कहां करते हैं कि हमारे देश में त्याग हमेशा दूसरे आदमी से करवाया जाना चाहिए है। नेता कहता है देश संकट में है अफसर कहता है बजट कम है और जनता सोचती है कि शायद संकट उसी की जेब में पैदा हुआ है। ऊपर बैठे लोग इतने त्यागी हैं कि वे जनता की परेशानियाँ सुनकर स्वयं बहुत दुखी हो जाते हैं इतना दुखी कि तुरंत ए.सी. का तापमान दो डिग्री और कम कर देते हैं। अब नई योजना आई है कि सरकारी भवनों में बिजली की बचत होगी। इसलिए पुराने पंखे हटाकर नए सेंट्रल एसी. लगाए जाएंगे। तर्क यह दिया गया कि एक साथ ठंडक देने से राष्टीय एकता मजबूत होगी। गाँव में किसान सूखे से परेशान है, मगर राजधानी में सेमिनार चल रहा है जल संरक्षण और आम आदमी, मंच पर मिनरल वाटर की बोतलें रखी हैं, जिनका पानी इतना शुद्ध है कि शायद किसान की किस्मत भी उससे साफ हो जाए।

-संजीव ठाकुर

तकनीकी क्रांति और लोकतांत्रिक चुनौती के बीच जनगणना

भारत वर्ष 2027 में अपनी पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना कराने जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि भारत की शासन व्यवस्था, विकास नीति और लोकतांत्रिक ढांचे में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत है। जिस प्रकार स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना ने नवगठित राष्ट को अपनी जनसंख्या, संसाधनों और सामाजिक संरचना को समझने का आधार दिया था, उसी प्रकार 2027 की डिजिटल जनगणना भारत को डेटा-आधारित शासन के नए युग में प्रवेश कराने वाली है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक मानी जा रही है, जिसमें मोबाइल एप्लिकेशन, सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल, क्लाउड-आधारित रियल-टाइम डेटा अपलोड, जियो-टैगिंग और डिजिटल डैशबोर्ड जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। उसके बाद कोविड-19 महामारी सहित कई कारणों से 2021 की जनगणना टलती चली गई। परिणामस्वरूप देश को लगभग 14 वर्षों तक पुराने आंकड़ों पर निर्भर रहना पड़ा। इस दौरान भारत में शहरीकरण, प्रवासन, रोजगार संरचना, डिजिटल उपयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनसंख्या वितरण में भारी परिवर्तन हुए हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय अभ्यास नहीं होगी, बल्कि यह आधुनिक भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। विशेष बात यह है कि यह पहली बार होगा जब भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इतनी बड़ी जनगणना डिजिटल माध्यम से संचालित की जाएगी।

डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और दक्षता में दिखाई देता है। पारंपरिक कागजी जनगणना में डेटा एकत्र करने, उसकी जांच करने, कोडिंग, प्रविष्टि और विश्लेषण में दो वर्ष या उससे अधिक समय लग जाता था। लेकिन डिजिटल प्रणाली में डेटा सीधे सर्वर पर अपलोड होगा, जहां स्वचालित सत्यापन और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे प्रारंभिक परिणाम दस दिनों के भीतर और अंतिम विस्तृत रिपोर्ट छह से नौ महीनों में उपलब्ध हो सकती है। यह बदलाव केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की गति और सटीकता को भी कई गुना बढ़ा सकता है। यदि सरकार के पास समय पर विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, तो रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, आवास और शहरी नियोजन जैसी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

डिजिटल प्रणाली में त्रुटियों को कम करने की भी व्यापक संभावना है। मोबाइल एप्लिकेशन में प्री-कोडेड विकल्प, ऑटो-फिल, रियल-टाइम वैलिडेशन और जियो-कोडिंग जैसी सुविधाएं होंगी, जिससे गलत प्रविष्टियों की संभावना कम होगी। प्रत्येक भवन को एक विशिष्ट भौगोलिक निर्देशांक से जोड़ा जाएगा, जिससे न केवल भवनों की सही गणना संभव होगी बल्कि विकास योजनाओं के लिए स्थान-आधारित विश्लेषण भी आसान होगा। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र में स्कूलों, अस्पतालों या जलस्रोतों की उपलब्धता का विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सरकार को यह समझने में आसानी होगी कि किन क्षेत्रों में संसाधनों की कमी है और कहां निवेश की आवश्यकता अधिक है।

डिजिटल जनगणना का एक और महत्वपूर्ण पहलू पारदर्शिता है। नागरिक स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी भर सकेंगे और उसे सत्यापित कर सकेंगे। इससे सरकारी आंकड़ों के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ सकता है। डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर प्रगति की निगरानी भी संभव होगी। यह प्रणाली प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत कर सकती है और डेटा संग्रह की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बना सकती है। यदि इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया, तो भारत दुनिया के लिए डिजिटल प्रशासन का एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

हालांकि, इन संभावनाओं के साथ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भारत का डिजिटल विभाजन है। आज भी देश के करोड़ों लोग इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों तक समान पहुंच नहीं रखते। ग्रामीण क्षेत्रों, पर्वतीय इलाकों, आदिवासी क्षेत्रों और उत्तर-पूर्व के कई हिस्सों में इंटरनेट कनेक्टिविटी कमजोर या अनुपलब्ध है। यदि जनगणना का अत्यधिक निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर रही, तो समाज के सबसे गरीब और हाशिए पर रहने वाले वर्ग जनगणना से बाहर छूट सकते हैं। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों के वितरण को प्रभावित करने वाली गंभीर सामाजिक समस्या बन सकती है।

भारत में डिजिटल साक्षरता भी एक बड़ी चुनौती है। बुजुर्ग, अशिक्षित लोग, ग्रामीण महिलाएं और प्रवासी मजदूर अक्सर स्मार्टफोन एप्लिकेशन या ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करने में सहज नहीं होते। यदि केवल तकनीक के भरोसे डेटा संग्रह किया गया, तो गलत जानकारी, अधूरी प्रविष्टियां और अंडरकाउंटिंग की संभावना बढ़ जाएगी। अफ्रीकी देशों में डिजिटल जनगणना के कुछ प्रयोगों में यह देखा गया था कि कम साक्षरता वाले क्षेत्रों में त्रुटियों की दर काफी अधिक रही। भारत में यह चुनौती और भी जटिल हो सकती है क्योंकि यहां भाषाई, सामाजिक और आर्थिक विविधता अत्यंत व्यापक है। इसलिए केवल डिजिटल होना पर्याप्त नहीं होगा; यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक समावेशी और उपयोगकर्ता-अनुकूल भी हो।

इसी कारण ऑफलाइन-फर्स्ट मॉडल की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जनगणना एप्लिकेशन ऐसे होने चाहिए जो इंटरनेट न होने पर भी डेटा संग्रह कर सकें और बाद में नेटवर्क उपलब्ध होने पर सर्वर से सिंक्रोनाइज हो जाएं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी निर्बाध डेटा संग्रह संभव हो सकेगा। साथ ही, स्थानीय भाषाओं में एप्लिकेशन और वॉयस-आधारित सहायता प्रणाली भी विकसित करनी होगी ताकि कम शिक्षित लोग भी इस प्रक्रिया में सहज रूप से भाग ले सकें।

डिजिटल जनगणना के सामने दूसरी बड़ी चुनौती प्रवासी आबादी और असंगठित क्षेत्र के लोगों की सही गणना है। कोविड-19 महामारी के दौरान देश ने देखा कि करोड़ों प्रवासी मजदूरों का विश्वसनीय डेटा उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी कठिनाइयां सामने आईं। भारत में बड़ी संख्या में लोग अस्थायी रूप से शहरों में काम करते हैं और अक्सर स्थायी पते से दूर रहते हैं। यदि जनगणना के दौरान वे अपने गांव या मूल निवास स्थान पर नहीं होंगे, तो उनकी गणना छूट सकती है। यही समस्या बेघर लोगों, फुटपाथ निवासियों और अनौपचारिक बस्तियों में रहने वाले लोगों के साथ भी हो सकती है। इसलिए डिजिटल प्रणाली को इतनी लचीली बनाना होगा कि गतिशील आबादी का सटीक आकलन किया जा सके।

जाति आधारित आंकड़ों का प्रश्न भी अत्यंत संवेदनशील और जटिल है। भारत में हजारों जातियां और उप-जातियां हैं, जिनके नाम और सामाजिक पहचान क्षेत्र के अनुसार बदलते रहते हैं। यदि डिजिटल कोडिंग प्रणाली में मानकीकरण की कमी रही, तो गलत वर्गीकरण और डेटा असंगतता की समस्या पैदा हो सकती है। जातिगत आंकड़ों का सीधा संबंध सामाजिक न्याय, आरक्षण नीति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि गंभीर विवाद का कारण बन सकती है। सरकार को इस विषय में अत्यधिक सावधानी, विशेषज्ञता और पारदर्शिता की आवश्यकता होगी।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा है एन्यूमरेटरों का प्रशिक्षण। अनुमान है कि लगभग 30 लाख से अधिक गणनाकर्मियों की आवश्यकता होगी, जिनमें बड़ी संख्या स्कूल शिक्षकों की होगी। इन सभी को डिजिटल उपकरणों, एप्लिकेशन संचालन, डेटा वैलिडेशन, साइबर सुरक्षा, नैतिकता और गोपनीयता के बारे में व्यापक प्रशिक्षण देना होगा। यदि प्रशिक्षण अपर्याप्त रहा, तो तकनीकी त्रुटियां और डेटा की गुणवत्ता में गिरावट आ सकती है। कई बार तकनीक की विफलता मशीन से नहीं, बल्कि उसके उपयोगकर्ता की अपर्याप्त समझ से होती है। इसलिए मानव संसाधन का सुदृढ़ प्रशिक्षण इस पूरी परियोजना की सफलता की कुंजी होगा।

साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की चिंताएं भी अत्यंत गंभीर हैं। जनगणना में नागरिकों की निजी जानकारी जैसे परिवार संरचना, शिक्षा, रोजगार, प्रवास इतिहास और संभवतः जातिगत विवरण एकत्र किए जाएंगे। यदि यह डेटा साइबर हमलों, डेटा चोरी या राजनीतिक दुरुपयोग का शिकार हुआ, तो जनता का भरोसा गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। विशेष रूप से चुनावी संदर्भ में डेटा के राजनीतिक उपयोग या दुरुपयोग की आशंकाएं भी बनी रहेंगी। इसलिए सरकार को डेटा एन्क्रिप्शन, सुरक्षित सर्वर, एक्सेस कंट्रोल और स्वतंत्र डेटा सुरक्षा ऑडिट जैसी मजबूत व्यवस्थाएं लागू करनी होंगी। साथ ही, नागरिकों को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका डेटा केवल सांख्यिकीय और नीतिगत उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह जनगणना अत्यंत संवेदनशील होगी। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर भविष्य में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन हो सकता है। उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में अंतर के कारण संसदीय सीटों के पुनर्वितरण का प्रश्न राजनीतिक बहस का विषय बन सकता है। यदि किसी राज्य की जनसंख्या अपेक्षाकृत अधिक बढ़ी है, तो उसे अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इससे संघीय संतुलन और राजनीतिक शक्ति वितरण पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए जनगणना की प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखना आवश्यक होगा।

भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता भी डिजिटल जनगणना को जटिल बनाती है। देश में सैकड़ों भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। यदि एप्लिकेशन केवल सीमित भाषाओं में उपलब्ध हुए, तो कई समुदायों की भागीदारी प्रभावित हो सकती है। स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों और क्षेत्रीय विशेषताओं को ध्यान में रखे बिना एक समान डिजिटल ढांचा लागू करना व्यावहारिक नहीं होगा। इसलिए क्षेत्रीय अनुकूलन, बहुभाषी समर्थन और स्थानीय प्रशासनिक सहयोग आवश्यक होगा।

तकनीक के अत्यधिक उपयोग से एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है। यदि ⌐ढ्ढ और लढ्ड्स आधारित प्रणालियों पर पूरी तरह निर्भरता बढ़ गई, तो स्वचालित त्रुटियां बड़े पैमाने पर प्रभाव डाल सकती हैं। उदाहरण के लिए, किसी क्षेत्र की गलत जियो-मैपिंग या एल्गोरिदमिक वर्गीकरण हजारों लोगों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए मानवीय निगरानी, थर्ड-पार्टी ऑडिट और स्वतंत्र गुणवत्ता नियंत्रण की व्यवस्था बनाए रखना अनिवार्य होगा। तकनीक को मानव निर्णय का विकल्प नहीं, बल्कि सहयोगी उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की डिजिटल जनगणना 2027 वास्तव में एक अवसर और जिम्मेदारी दोनों है। यह देश को डेटा-आधारित शासन की दिशा में आगे बढ़ाएगी और योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक तथा सटीक बनाएगी। लेकिन इसकी सफलता केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि इस बात पर निर्भर करेगी कि यह कितनी समावेशी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बन पाती है। यदि गरीब, प्रवासी, अशिक्षित और दूरस्थ समुदाय इस प्रक्रिया में प्रभावी रूप से शामिल नहीं हो पाए, तो डिजिटल जनगणना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

सरकार को चाहिए कि वह डिजिटल और पारंपरिक दोनों तरीकों का संतुलित मिश्रण अपनाए। जहां तकनीक गति और सटीकता प्रदान कर सकती है, वहीं मानवीय संपर्क सामाजिक समावेशन और विश्वास सुनिश्चित करता है। ऑफलाइन डेटा संग्रह, व्यापक प्रशिक्षण, मजबूत साइबर सुरक्षा, स्थानीय भाषाई समर्थन और स्वतंत्र निगरानी तंत्र इस परियोजना की सफलता के लिए आवश्यक होंगे। साथ ही, जनता को जागरूक करना और यह विश्वास दिलाना भी जरूरी होगा कि जनगणना उनके अधिकारों और विकास से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

अंततः, 2027 की डिजिटल जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं होगी; यह भारत के लोकतांत्रिक चरित्र, प्रशासनिक क्षमता और तकनीकी परिपक्वता की परीक्षा भी होगी। यदि भारत इतनी विशाल आबादी और विविधता के बीच सफलतापूर्वक डिजिटल जनगणना कर लेता है, तो यह विश्व इतिहास में एक अद्वितीय उपलब्धि होगी। यह भविष्य की नीति निर्माण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, वैज्ञानिक और उत्तरदायी बनाएगी। लेकिन इस तकनीकी क्रांति का वास्तविक मूल्य तभी सिद्ध होगा जब यह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे भी समान रूप से प्रतिनिधित्व दे सके। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति उसकी जनसंख्या की सही पहचान और प्रत्येक नागरिक के विश्वास में निहित है।

- डॉ. सत्यवान सौरभ

क्या भारत प्रमुख अर्थव्यवस्था है?

प्रख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं, लिहाजा उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा युद्धरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सहज है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक (भारत सरकार में सचिव पद के समकक्ष) रहे। आज भी ब्रिटेन, मॉस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12.10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुश्तैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं।

यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिगुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच देशों के प्रवास से लौटे हैं।

-धनंजय राजौरा

बकरीद से पूर्व गौवंश हत्या व तस्करी रोकने की मांग, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा प्रान्त के अंतर्गत विश्व हिन्दू परिषद् गौरक्षा विभाग एवं देशी गौवंश रक्षण संवर्धन न्यास द्वारा बकरीद से पूर्व गौवंश हत्या एवं गौवंश तस्करी पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय में शनिवार को तहसीलदार सपना शर्मा को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल मंगुभाई पटेल से गौवंश रक्षा हेतु सख्त कदम उठाने की मांग की गई। जिला गोरक्षा प्रमुख रमेश कौशल ने बताया कि गौवंश भारतीय संस्कृति, सात्विक ऊर्जा, आर्थिक समृद्धि एवं आरोग्य का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि देश में लगातार बढ़ रही गौवंश तस्करी एवं हत्या की घटनाएं चिंता का विषय हैं। संगठन ने मांग की कि बकरीद से पूर्व पुलिस-प्रशासन विशेष सतर्कता बरते तथा गौवंश तस्करों एवं हत्यारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश में कठोर कानून होने के बावजूद कई स्थानों पर पुलिस-प्रशासन की लापरवाही अथवा मिलीभगत के कारण गौवंश तस्करी की घटनाएं सामने आती हैं, जिससे गौरक्षकों को स्वयं सड़क पर उतरना पड़ता है। संगठन ने यह भी मांग की कि बकरीद के अवसर पर गौवंश परिवहन में किसी प्रकार की ढील न दी जाए। विश्व हिन्दू परिषद् गौरक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश शासन से यह मांग भी की कि राजस्थान एवं महाराष्ट्र की तर्ज पर गौमाता को ÷राज्यमाता÷ का दर्जा दिया जाए तथा गौचर भूमि से अतिक्रमण हटाया जाए। इस दौरान जिला अध्यक्ष दिलीप अग्रवाल, जिला सहसंयोजक अभिषेक माली, नगर अध्यक्ष संजय शर्मा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सचिन नरेंद्र शर्मा राठौर, जिला मठ मंदिर प्रमुख धर्मेंद्र जोशी, नगर गोरक्षा प्रमुख आनंद चौहान, अभिजीत ठाकुर, दुलीचंद्र राणा, मातृशक्ति रूपाली पटेल, निक्की निगम, भारत यादव, संदीप बैरागी, करण यादव, रोहित खिंची, अमन चौहान सहित बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी एवं हिंदू समाज के लोग उपस्थित थे।

पुरुषोत्तम मास पर श्री विष्णुपुराण कथा का भव्य शुभारंभ

कलश यात्रा के साथ निकली विशाल शोभायात्रा, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर शिवशक्ति महिला मंडल एवं स्थानीय भक्तो के सहयोग से बालगढ़ गणेशपुरी पार्टी-2 क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच श्री विष्णुपुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा प्रारंभ होने से पूर्व महिलाओं एवं श्रद्धालुओं द्वारा आकर्षक कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन शामिल हुए। पूरे क्षेत्र में भक्ति गीतों, जयघोष एवं धार्मिक माहौल से वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजन समिति ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन 23 से 29 मई तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। कथा का वाचन प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित गौरव व्यास, निवासी देपालपुर, अपने मुखारविंद से कर रहे हैं। कथा के दौरान प्रथम दिवस भगवान श्रीहरि विष्णु की महिमा, धर्म, भक्ति, सदाचार एवं मानव जीवन के कल्याण से जुड़े प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया गया, जिसे सुनने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कलश यात्रा में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। यात्रा में भगवान विष्णु के जयकारों के साथ भक्ति संगीत एवं ढोल-ढमाकों ने आयोजन को और भी आकर्षक बना दिया। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। कथा पंडाल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्मलाभ ले रहे हैं। आयोजकों ने समस्त धर्मप्रेमी जनता से कथा में उपस्थित होकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार पर जोर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग, देवास शहर जिला की बैठक रविवार को कांग्रेस कार्यालय जवाहर चौक पर आयोजित की गई। बैठक शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद संगठन विस्तार की प्रक्रिया, वार्ड स्तर तक विभाग के गठन तथा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के माध्यम से वैचारिक मजबूती को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का आयोजन अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष धीरज कल्याणे द्वारा किया गया। स्वागत भाषण में उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव रोशन रायकवार, शहर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुजीत सांगते, अविनाश जेठवा, जयप्रकाश मालवीय, विजय कटेसरिया, अशोक हाड़े, सेशन कल्याणे, प्रिंस कटेसरिया, राजेश तंवर, शुभम सोलंकी, राहुल गोयल, मनीष परमार, संजय मालवीय, दीपक बाड़ोलिया, प्रहलाद नगर एवं आनंद परिहार सहित बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति वर्ग के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज से झुलसाएगी गर्मी, 45 से अधिक रहेगा तापमान

मौसम विभाग ने जारी किया हीटवेव का रेड अलर्ट जारी, सावधारी जरूरी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अब तक नगरवासी जिस गर्मी का सामना कर रहे थे वह तो सिर्फ ट्रेलर था। आज से नवतपा की शुरूआत होगी और पूरे 9 दिनों तक झुलसाने वाली गर्मी का सामना नगरवासियों को करना होगा। इस दौरान न सिर्फ तापमान 45 डिग्री से अधिक बना रहेगा बल्कि पूरे 9 दिनों तक दिन में तेज लू चलने की भी संभावना है। रविवार को ही इसका नजारा नगरवासियों को देखने को मिला और दिनभर लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिली। साथ ही गर्म हवाओं ने भी लोगों को खासा परेशान किया।

सुबह से ही खिली तेज धूप ने दिनभर के मौसमी मिजाज का का नजारा दिखा दिया था। इसके बाद जैसे-जैसे दिन चढ़ने लगा तापमान का पारा भी चढ़ने लगा था। हालात ये थे कि सुबह 10 बजे से ही लोगों का गर्मी से बुरा हाल होने लगा था। यही नहीं सुबह से ही 13 किमी की रफ्तार से चली गर्म हवाओं ने आग में घी का काम करते हुए लोगों की परेशानी बढ़ा दी थी।

मौसम विभाग ने जारी किया लू का अलर्ट- रविवार को भी मौसम विभाग ने लू को लेकर अलर्ट जारी किया है। स्थानीय मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि रविवार को लू चली और आगामी पांच दिनों तक मौसम में कोई परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इस दौरान तापमान 45 डिग्री तक रहेगा और लू भी चलती रहेगी।

1 जून से शुरू हो सकती है प्री-मानसून गतिविधियां- मौसम विशेषज्ञ धनोतिया के अनुसार 31 मई तक तापमान में उछाल जारी रहेगा। इसके बाद 1 जून से प्री- मानसूनी गतिविधियां शुरू हो सकती है। जिसके चलते प्रतिदिन शाम को नगर में हल्की बारिश हो सकती है और ठंडी हवाएं चलने से लोगों को गर्मी से राहत भी मिलेगी। इसके बाद 16 जून से मानसूनी बारिश शुरू होने की संभावना है।

हाईवे पर पुलिस ने चलाया बसों का चेकिंग अभियान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों पुलिस हाईवे पर सक्रिय है, जिनके द्वारा हाईवे पर चलने वाली बसों की निगरानी कर उनकी जांच की जा रही है। शनिवार रात को भी पुलिस ने हाईवे पर तैनात होकर बसों की जांच की। इस दौरान करीब 36 बसों के विरूद्ध कार्रवाई की गई।

गौरतलब है पिछले सप्ताह एक एसी बस में आग लगने से उसमें एक चार वर्षीय बच्चे की जलने से मौत हो गई थी। इसके बाद से ही पुलिस द्वारा बसों को लेकर सतर्कता बरती जा रही है ताकि दोबारा ऐसा हादसा न हो। यातायात थाना प्रभारी सौरव शुक्ला के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस दौरान बसों में इमरजेंसी गेट, अग्निशमन उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स और अन्य सुरक्षा मानकों की गहनता से जांच की गई। पुलिस ने बस चालकों के आवश्यक दस्तावेज और परमिट की भी जांच की गई। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिन बसों में सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं या परमिट नियमों का उल्लंघन पाया जाएगा, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। लोक परिवहन बसों का यह विशेष चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान 21 मई से शुरू किया गया है जो 27 मई तक लगातार जारी रहेगा। इस अभियान के तहत जिले में संचालित सभी यात्री बसों की फिटनेस, पंजीयन प्रमाण पत्र, परमिट आदी।

फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का शव, पुलिस जुटी जांच में

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी थाना क्षेत्र के ग्राम झोकर में शनिवार देर रात एक 23 वर्षीय नवविवाहिता का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान रानू पति अर्जुन मंडोर निवासी ग्राम झोकर के रूप में हुई है। पति अर्जुन मंडोर ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पहली पत्नी पिंकी के साथ खाना खाकर सो गया था। जबकि रानू अपनी डेढ़ माह की बच्ची के साथ दूसरे कमरे में थी। अर्जुन ने पुलिस को बताया कि रात करीब 10 बजे बच्ची के रोने और किसी चीज के गिरने की आवाज आने पर उसने कमरे में जाकर देखा। वहां रानू नीचे गिरी हुई थी और उसके गले में रस्सी बंधी थी। छत की बल्लियों में भी रस्सी बंधी मिली। मक्सी थाना पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मंडलोई भवन में हुई चोरी की जांच करने पहुंचे एसपी

मामला- पूर्व विधायक के घर हुई 80 लाख से अधिक की चोरी का

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सलसलाई थानांतर्गत अकोदिया निवासी पूर्व विधायक केदारसिंह मंडलोई के यहां 12 मई की रात को अज्ञात बदमाशों द्वारा 80 लाख से अधिक की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। रविवार को इस मामले को लेकर एसपी यशपालसिंह राजपूत खुद अकोदिया पहुंचे और मामले को गंभीरता से लिया।

दरअसल 12 मई की रात पेट्रोल पंप संचालक एवं पूर्व विधायक केदार सिंह मंडलोई के परिवार के घर हुई इस बड़ी चोरी में 32.50 लाख रुपए नकद और 50 लाख रुपए से अधिक के जेवरात चोरी हो गए थे। घटना के एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आरोपियों का सुराग नहीं मिलने से पुलिस पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। एसपी राजपूत ने मंडलोई परिवार से मुलाकात कर घटना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने घर के भीतर उन स्थानों का भी निरीक्षण किया जहां से नकदी और जेवरात चोरी हुए थे। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों से अब तक की जांच की प्रगति के बारे में जानकारी ली गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने एक विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए। इस टीम में जिले के विभिन्न थाना प्रभारियों के साथ प्रधान आरक्षक, आरक्षक, साइबर सेल के सदस्य और पूर्व में अकोदिया थाने पर पदस्थ रहे अनुभवी पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया है। पुलिस अब तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और संदिग्धों की गतिविधियों के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही है।

पुलिस जल्द करेगी खुलासा, गिरफ्त में होंगे आरोपी- पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और कुछ लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पुलिस जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करेगी। एसपी के अचानक अकोदिया पहुंचने से मंडलोई परिवार और नगरवासियों में कार्रवाई की उम्मीद जगी है। नागरिकों का कहना है कि इतनी बड़ी चोरी का जल्द खुलासा होना चाहिए, ताकि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बना रहे।

संदिग्धों से भी हो रही पूछताछ- मंडलोई भवन चोरी मामले में पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए कई संदिग्ध लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है। जिसमें मुलाई परिवार की गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर से पुलिस पूछताछ कर रही है। सूत्रों के अनुसार पुलिस तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों की पड़ताल कर रही है। वहीं पूर्व में क्षेत्र में सक्रिय रहे बदमाशों और हाल ही में संदिग्ध रूप से घूमने वाले लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले में महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना है।

कौशल विकास प्रशिक्षण 2026-27 के लिए 12 जून तक करें ऑनलाइन आवेदन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 12 जून 2026 तक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक जिले में सामान्य रूप से 30 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जाएगा, जिसमें 30 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना और आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक ने पूर्व में किसी शासकीय विभाग से निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे।

शराब और गुटखा-पाउच की दुकानों पर पुलिस ने मारे छापे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कॉलेज व नगर के शिक्षण संस्थानों के आसपास खुलेआम शराब व नशीले पदार्थों की दुकानों पर रविवार को राजस्व व पुलिस विभाग की टीम ने पहुंचकर छापेमार कार्रवाई की। यह कार्रवाई नशामुक्ति अभियान के तहत की गई है।

रविवार को राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय और अन्य शिक्षण संस्थानों के आसपास अवैध शराब, गुटखा और तंबाकू की बिक्री रोकने के लिए दुकानों पर छापेमारी की गई। एसडीएम मनीषा वास्कले के नेतृत्व में टीम ने 6 से 7 दुकानों और ढाबों से अवैध शराब और गुटखा पाउच बरामद किए। एसडीएम ने इन सभी के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय के ठीक सामने 100 मीटर के दायरे में खुलेआम गुटखा पाउच और सिगरेट बेचे जा रहे थे। यह नियमों का उल्लंघन है। इसके अलावा शहरी हाईवे पर स्थित एम जी कान्वेंट स्कूल के सामने एक लाइसेंसी शराब दुकान का संचालन हो रहा है। यह दुकान भी स्कूल के 100 मीटर के दायरे में है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। एसडीएम मनीषा वास्कले ने बताया कि नशा मुक्ति अभियान के तहत शाजापुर और आसपास के 7 से 8 ढाबों और दुकानों पर अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए कार्रवाई की गई। अवैध शराब जब्त कर पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

बढ़ते तापमान के दृष्टिगत लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ते हुए तापमान से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रवभावों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस संबंध में जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को सतत निगरानी एवं उपचार के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण भी किया जा रहा हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारियों को आने वाले मरीजों की लू के लक्षणों की जांच करने, उचित प्रबंधन करने, ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने तथा वार्ड में शीतलता के लिए पंखों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि तेज धूप एवं ज्यादा देर तक रहना लू लगने का प्रमुख कारण होता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे इलेक्ट्रो राइड का असंतुलन हो जाता हैं। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एक हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट बनाई जा रही हैं एवं गर्मी से संबंधित बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयां संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कार्नर बनाए जा रहे हैं। संवेदनशील समूहों जैसे गर्भवती महिला, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए भी अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्थाओं के निर्देश जारी किये गए है। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि गर्मी के दौरान लू से बचाव के नियमित पानी पीते रहे।

कार्यालय कलेक्टर (कालोनी सैल) जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/का. सेल/2026/302 उज्जैन दिनांक 13/04/2026

विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 (क्रमांक 1 सन् 1994) और उसके अधीन बनाए गए मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत (कालोनियों का विकास) नियम 2014 के अधीन एतद् द्वारा ग्राम लालपुर, तहसील कोठीमहल जिला उज्जैन में कालोनी विकसित करने की अनुज्ञा दी जाती है -

क.	कालोनाईजर का नाम एवं पता	स्थान जहाँ के लिये विकास अनुमति जारी की गई है।	धरोहर के रूप में बंधक रखे गये भूखण्डों का विवरण
1	2	3	4
1	आवेदक / कालोनाईजर गुप्ता डेवल्पर्स भागीदार श्यामसुंदर गुप्ता एवं अन्य पता 37 खण्डेलवाल नगर उज्जैन	ग्राम लालपुर, तहसील कोठीमहल, जिला उज्जैन में स्थित भूमि सर्वे क. 12/3 (उज्जैन विकास प्राधिकरण की स्वीकृत नगर विकास स्कीम टी.डी.एस. 03/UJN/2022 का भूखण्ड कमांक 03/42) रकबा 7.00 हेक्टेयर में से 3. 50 हेक्टेयर में से अभिन्यास मानचित्र में दर्शाए अनुसार 34999.96 वर्गमीटर पर आवासीय कालोनी (नक्षत्र प्राईड)	भूखण्ड क्रमांक 130, 131, 132, 133, 134, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195 व 196 कुल भूखण्ड संख्या 57 कुल रकबा 7524.89 वर्गमीटर

उपरोक्त कॉलम नम्बर-4 में उल्लेखित भूखण्ड़ उपपंजीयक कार्यालय उज्जैन में बंधककर्ता कॉलोनाईजर गुप्ता डेवल्पर्स भागीदार श्यामसुंदर गुप्ता निवासी उज्जैन एवं बंधकग्रहिता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुभाग कोठीमहल द्वारा पंजीकृत धरोहर के रूप में बंधक रखे गये है।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त बंधक भूखण्डों का कय/विकय कॉलोनाईजर द्वारा आगामी आदेश तक नहीं किया जावेगा।

सक्षम प्राधिकारी
कालोनी सेल
जिला उज्जैन

मुख्य सचिव ने पेयजल व्यवस्थाओं की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संभागायुक्तों एवं कलेक्टर्स की बैठक आयोजित कर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संबंधी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल उपलब्धता, जल स्रोतों की स्थिति, टैंकर व्यवस्था, हैंडपंपों के संधारण तथा जलापूर्ति संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने निर्देश दिए कि आमजन को किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी अधिकारी निरंतर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि जहां जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही पेयजल योजनाओं का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूर्ण किए जाएं। सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरू के., जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, पीएचई विभाग के कार्यपालन मंत्री श्री प्रदीप सक्सेना, जल निगम के महाप्रबंधक श्री मोहम्मद जैनुल, नगर पालिका सीएमओ श्री सुधीर कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक के पश्चात कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और अभावग्रस्त क्षेत्रों में वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

बंदी के मानव अधिकार जेल में आ जाने से समाप्त नही हो जाते है -जिला न्यायाधीश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसी भी व्यक्ति के मानव अधिकार जेल में आ जाने से समाप्त नही हो जाते है जो मूलभूत अधिकार जैसे की भोजन का अधिकार , स्वास्थ्य का अधिकार ,शिक्षा का अधिकार जेल में भी बने रहते है

जेल बंदियों के लिए एक सुधार घर है आप सभी को न्यायालय के आदेश अनुसार यहाँ न्यायिक अभिरक्षा में रखा गया है यहां रहकर अपने द्वारा किए गए विधि के उल्लंघन के बारे में आत्म चिंतन कीजिए एवं उसका प्रायश्चित कर यहां से यह प्रण लेकर निकले की आगे से मैं कोई अपराध नहीं करूंगा एवं शेष जीवन एक अच्छे नागरिक बन कर समाज में सम्मान पूर्वक व्यतीत कीजिए उक्त बातें जिला एवम अति. सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बदनावर श्रीमान जी.सी. मिश्रा द्वारा उप जेल बदनावर में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर व जेल निरीक्षण के दौरान कही इस अवसर पर जेल उप अधीक्षक मनोज कुमार मिश्रा व मानव अधिकार एक्टिविस्ट व पी एल वी जयेश राजपुरोहित उपस्थित थे।

जिला न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में उपस्थित बंदियों से कहा की यदि किसी प्रकरण में आरोपी का अभिभाषक नहीं होता है तो उस प्रकरण में विचारण प्रारंभ नहीं किया जाता है आप सभी बंदियों के अभिभाषक है यदि किसी बंदी का अभिभाषक नहीं है तो आप इसकी सूचना जेलर के माध्यम से हमें प्रेषित करें जिससे कि विधिक सहायता के अंतर्गत आपका अभिभाषक नियुक्त किया जा सके किसी भी आरोपी को यह अधिकार है कि उस पर आरोप क्या लगाया गया है एवं उसके प्रकरण में क्या प्रक्रिया चल रहा है इसकी जानकारी उसे दी जाए इसके साथ ही एडीजे ने बंदियो से पैरोल ,मुलाकात, साफ सफाई, भोजन व्यवस्था , स्वास्थ्य परीक्षण ,आदि की स्थिति की जानकारी भी ली शिविर में सभी 55 बन्दी , जेल स्टाफ , न्यायालय कर्मचारी चन्द्रशेखर रील उपस्थित थे।

चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला ने झाबुआ हाट बाजार में की खाद्य सामग्री की जांच

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला (एमएफटीएल) के माध्यम से आज झाबुआ नगर स्थित कृषि उपज मंडी में लगने वाले हाट बाजार का निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थो के नमूनों की मौके पर ही जांच कर मिलावट की पहचान की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में चल रहे 3 दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत आज हाट

बाजार में कुल 16 खेरची एवं फेरी विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय हेतु रखे गए विभिन्न मसालों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की गई। जांच में मुख्य रूप से जीरा, सौंफ, दालचीनी, पूजा पत्री, हल्दी, धनिया एवं मिर्च मसाला सहित कुल 46 नमूनों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान मसालों में सामान्यतः की जाने वाली रंग मिलावट की जांच की गई। जांच में दो नमूने अमानक स्तर के पाए गए, जिनकी लगभग 700 ग्राम मात्रा को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

सोहड निवासी गोविंद परिहार ने रीवा में 9 माह की पुलिस ट्रेनिंग पूरी की, गांव में स्वागत

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील के ग्राम सोहड निवासी गोविंद परिहार ने रीवा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में 9 माह की बेसिक ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, ट्रेनिंग पूरी करने के बाद मंगलवार को जब गोविंद अपने गांव सोहड पहुंचे तो परिजनों और ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, गांव में प्रवेश करते ही ग्रामीणों ने गोविंद को पुष्प मालाएं पहनाई, इस दौरान डीजे पर देशभक्ति के गीत बजाए गए जिससे माहौल खुशनुमा हो गया, ग्रामीणों और परिवार के सदस्यों ने गोविंद को बधाई दी, परिजनों ने बताया कि गोविंद का सपना पुलिस में जाकर देश सेवा करना था जो अब पूरा हो गया है, गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने भी गोविंद को आशीर्वाद दिया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की, गोविंद परिहार ने कहा कि वह पूरी निष्ठा से जनता की सेवा करेंगे।

मोक्ष का मार्ग हरि कथा एवं संतवाणी से मिलता है -पंडित बालकृष्ण शास्त्री

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मनुष्य जीवन का अंतिम ध्येय मोक्ष प्राप्त करना है। जीव अनंत जन्मों से मोक्ष के मार्ग को खोजने का प्रयास किया है, लेकिन उसे यह नहीं मिला। यदि वह सही मार्ग खोज ले तो मनुष्य जीवन से मोक्ष संभव है। जीवन के सारे काम हो जाते हैं लेकिन जीवन में कोई ज्ञानी संत मिले तो परमात्मा का मार्ग सरल सहज और सुलभ हो जाता है इसलिए सदैव हरि कथा का संतवाणी का जीवन में लाभ प्राप्त करें तभी कल्याण होगा। उक्त विचार परम पूज्य पंडित बालकृष्ण गणेश दत्त शास्त्री कानवन वाले ने राधाकृष्ण मंदिर स्वर्णकार समाज के द्वारा हो रही श्रीमद् भागवत कथा में कहे। आपने कहा कि कथा मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है, भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के घर साक्षात कामदेव पुत्र बनकर भगवान भस्मासुर का नाश करते हैं और भस्मासुर के कारागृह से 16108 कन्याओं को मुक्त कराकर भगवान ने उनसे विवाह किया। आपने कथा के माध्यम से बताया कि जरासंध का उद्धार कर शिशुपाल का भी उद्धार किया। सुदामा चरित्र का अद्भुत वर्णन करते हुए आपने कहा कि भगवान ने अमीरी गरीबी की दीवार तोड़ दी। बड़ी संख्या में लोगों ने कथा में भाग लिया और अपने जीवन को धन्य बनाया, अपने परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाएं और आपने कहा कि भगवान का नाम भगवान का संकीर्तन सारे पापों का नाश करते हैं इसलिए अपने जीवन में सदैव भगवान का संकीर्तन नाम स्मरण करते रहे,कलयुग का प्रभाव कम रहेगा। भागवत कथाओं को श्रवण करने हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर नारी उपस्थित हो रहे हैं। सप्तम दिवस के कथा के मुख्य यजमान अरुण कुमार पुरुषोत्तम सोनी थे।

सिविल अस्पताल मोबाइल चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

थाना प्रभारी अक्षय बेस के नेतृत्व में पुलिस को मिली सफलता

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। गत दिनों शासकीय सिविल अस्पताल में हुए मोबाइल चोरी मामले में सुसनेर पुलिस को सफलता मिली है। थाना प्रभारी अक्षय बेस के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल परिसर में सो रहे युवक का मोबाइल अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया था। घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी, जिसके बाद पीड़ित द्वारा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी अक्षय बेस के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी सीताराम पिता नैन सिंह प्रजापत निवासी लालाखेड़ी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अस्पताल परिसर में होने वाली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं नागरिकों ने भी पुलिस कार्रवाई की सराहना करते हुए अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने की मांग की है।

रात में प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को पहुंचाया अस्पताल

एम्बुलेंस नहीं पहुंची तो गश्त कर रही पुलिस बनी सहारा

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस को आमतौर पर कानून व्यवस्था और सख्ती से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन शनिवार-रविवार की दरमियानी रात सुसनेर पुलिस ने अपने संवेदनशील और मानवीय व्यवहार से एक जरूरतमंद परिवार के लिए देवदूत की भूमिका निभाई। देर रात दिखाई गई पुलिस की तत्परता और मानवता के चलते प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका, जहां उसकी सुरक्षित डिलीवरी करवाई गई। जानकारी के अनुसार नगर की सब्जी मंडी क्षेत्र में बाहर से आकर जूस का व्यवसाय करने वाला एक परिवार निवास कर रहा है।शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे परिवार की गर्भवती महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई और

उसे तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। महिला दर्द से कराह रही थी और परिवार घबराया हुआ था। महिला के पति मोनू शंकर ने आसपास मदद की तलाश शुरू की और नगर के युवा कमल चौहान से चर्चा कर अस्पताल पहुंचने का रास्ता पूछा तथा पूरी समस्या बताई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कमल चौहान ने तुरंत एम्बुलेंस सेवा पर कॉल किया। परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने कई बार फोन लगाए लेकिन काफी देर तक एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंच सकी। समय बीतने के साथ महिला की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी और परिजन किसी अनहोनी की आशंका से परेशान हो रहे थे।

इसी दौरान नगर में रात्रि गश्त कर रहे पुलिस आरक्षक आशिष सोनी की नजर वहां खड़े लोगों पर पड़ी। उन्होंने बाइक रोककर लोगों से बातचीत की और पूरी जानकारी ली। कमल चौहान एवं महिला के पति ने पुलिस को बताया कि कई बार कॉल करने के बावजूद एम्बुलेंस नहीं पहुंची है और महिला की स्थिति गंभीर होती जा रही है।

स्थिति को समझते हुए आरक्षक आशिष सोनी ने बिना देर किए थाना वाहन मौके पर बुलवाया। कुछ ही देर में पुलिस वाहन वहां पहुंचा। पुलिसकर्मी एसआई नारायण पूरी, आरक्षक सीताराम दांगी एवं रामेश्वर यादव ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए महिला को सावधानीपूर्वक वाहन में बैठाया और तत्काल सुसनेर सिविल अस्पताल पहुंचाया। रात के कठिन समय में पुलिस की तत्परता के चलते महिला को समय पर उपचार मिल सका। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में महिला की सुरक्षित डिलीवरी करवाई गई। बताया जा रहा है कि महिला और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। घटना के बाद परिजनों ने राहत की सांस लेते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। परिवारजनों ने कहा कि यदि समय पर पुलिस मदद के लिए नहीं पहुंचती तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। इस घटना के बाद मोहल्ले सहित पूरे नगर में सुसनेर पुलिस की सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि पुलिस सिर्फ अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत पड़ने पर आमजन की मदद के लिए हर समय तत्पर रहती है। रात्रि के समय दिखाई गई पुलिस की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई ने लोगों का भरोसा और अधिक मजबूत किया है। नगरवासियों ने पुलिस के इस मानवीय कार्य को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करते हैं। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि आपात स्थिति में पुलिस आमजन के लिए सबसे बड़ा सहारा बन सकती है।

शरद जैन मित्र मण्डल द्वारा गांग व भंसाली का किया स्वागत

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री आदिनाथ फैमिली ग्रुप द्वारा सर्वसम्मति से दीपक गांग को अध्यक्ष तथा कुशल भंसाली को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर शरद जैन मित्र मण्डल द्वारा नव नियुक्त पदाधिकारियों का राजस्थानी पगड़ी एव माला से गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देकर मुह मिठा कराया तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की आशा व्यक्त की। सदस्यों ने कहा कि नए नेतृत्व में संगठन सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। अंत में सभी ने दीपक गांग एवं कुशल भंसाली को नई जिम्मेदारी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी।

इन्होंने दी बधाई - राजेश सकलेचा, शरद जैन, मनीष चपलोत, अमित बम, मनोज गांग, राकेश ओरा, सन्तोष नाहटा, प्रकाश चपलोत,आशिष पोखरना, अभिषेक कोलन, मनीष धाकड,निलेश चपलोत, मुकेश घोका एव निलेश जैन बधाई दी।

कड़कनाथ पालन बना आत्मनिर्भरता का माध्यम, मनीष भूरिया को मिल रही स्थायी आय

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग द्वारा संचालित कड़कनाथ चूजा प्रदाय योजना हितग्राहियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनती जा रही है। रामा निवासी श्री मनीष भूरिया पिता श्री डूंगरिया भूरिया ने इस योजना का लाभ लेकर कड़कनाथ पालन को सफल व्यवसाय के रूप में स्थापित किया है।

श्री मनीष बताते हैं कि वर्ष 2024-25 में उन्हें पशुपालन विभाग की अनुदान आधारित कड़कनाथ चूजा प्रदाय योजना अंतर्गत 28 दिवसीय 40 कड़कनाथ चूजे उपलब्ध कराए गए। विभाग द्वारा चूजों के साथ पोल्ट्री आहार एवं आवश्यक औषधियां भी प्रदान की गई। प्रारंभ में उन्होंने अपने घर के पास एक छोटा शेड तैयार कर व्यवस्थित रूप से कड़कनाथ पालन शुरू किया। नियमित देखभाल, संतुलित आहार और विभागीय मार्गदर्शन के कारण चूजों का विकास बेहतर हुआ।

करीब पांच माह बाद जब कड़कनाथ मुर्गे तैयार हुए तो उन्होंने 12 मुर्गों को 1200 रुपए प्रति नग की दर से विक्रय किया। इससे उन्हें 14 हजार 400 रुपए की आय प्राप्त हुई। वहीं 15 मुर्गियों को अंडा उत्पादन के लिए रखा गया। कड़कनाथ अंडों की बाजार में अच्छी मांग होने के कारण उन्होंने अंडों को 20 रुपए प्रति अंडा की दर से बेचकर नियमित आय अर्जित करना प्रारंभ किया।

शुरुआती सफलता और बढ़ती मांग को देखते हुए श्री मनीष ने अपने व्यवसाय का विस्तार करने का निर्णय लिया। उन्होंने शासकीय कड़कनाथ कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र झाबुआ से 200 अतिरिक्त कड़कनाथ चूजे खरीदे और बड़े स्तर पर पालन कार्य प्रारंभ किया। मेहनत और सतत प्रयासों का परिणाम यह रहा कि लगभग पांच माह बाद उन्होंने 60 मुर्गों का विक्रय 1000 रुपए प्रति नग की दर से किया, जिससे उन्हें 60 हजार रुपए की आय प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त लगभग 600 अंडों के विक्रय से उन्हें 12 हजार रुपए की अतिरिक्त आमदनी हुई।

व्यवसाय को और अधिक संगठित एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से श्री मनीष ने 200 अंडा क्षमता की हैचरी मशीन भी खरीदी। अब वे स्वयं अंडों से चूजे तैयार कर रहे हैं, जिससे उन्हें बाहर से चूजे खरीदने की आवश्यकता कम हो गई है। इससे उनके व्यवसाय की लागत में कमी आई है तथा उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है।

वर्तमान में श्री मनीष भूरिया को कड़कनाथ पालन व्यवसाय से प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए की आय प्राप्त हो रही है। वे अन्य ग्रामीण युवाओं को भी पशुपालन विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

श्री मनीष का कहना है कि यदि सही मार्गदर्शन, मेहनत और योजनाओं का समुचित उपयोग किया जाए तो ग्रामीण क्षेत्र में भी कम लागत से अच्छा व्यवसाय स्थापित किया जा सकता है। कड़कनाथ पालन ने उन्हें नियमित आय का मजबूत माध्यम प्रदान किया है तथा परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आबकारी विभाग झाबुआ द्वारा ग्राम कयडावद बड़ी से लाखों रुपये मूल्य की अवैध शराब जप्त

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम हेतु कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं उपायुक्त आबकारी, संभागीय उड़नदस्ता इंदौर संभाग श्री इंदरसिंह जामोद के निर्देशानुसार आबकारी विभाग द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में दिनांक 24 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम कयडावद बड़ी के तीतरिया फलिया क्षेत्र में कार्रवाई की गई। आबकारी दल द्वारा संदिग्ध मकान की विधिवत तलाशी लेने पर भारी मात्रा में अवैध विदेशी मदिरा बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान मैजिक मोमेंट वोडका की 52 पेटी, लंदन प्राईड व्हिस्की की 20 पेटी, लंदन प्राईड वोडका की 20 पेटी तथा रॉयल स्टेग व्हिस्की की 22 पेटी सहित कुल 114 पेटी विदेशी मदिरा जप्त की गई। जप्त मदिरा की कुल मात्रा 984.96 बल्क लीटर एवं अनुमानित बाजार मूल्य 11 लाख 50 हजार 80 रुपये आंका गया है।

मौके से आरोपी रमण पिता जोगडा डामोर, निवासी ग्राम कयडावद बड़ी फरार हो गया। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

उक्त कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक श्री अकलेश सोलंकी द्वारा की गई। कार्रवाई में आबकारी विभाग के श्रीराम शर्मा, सोहन नायक, पवन गाडरिया, विजय चौहान, वाहन चालक दीपक एवं बहादुर का विशेष योगदान रहा।

आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जबलपुर-पुणे और जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक ट्रेनों का नियमित संचालन शुरू

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षों से लंबित जबलपुर-पुणे एवं जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक ट्रेनों का नियमित संचालन रविवार से प्रारंभ हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, सांसद श्री आशीष दुबे, विधायक श्री अशोक रोहाणी, श्री अजय बिश्नोई, श्री नीरज सिंह, श्री संतोष वरकड़े, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज, जबलपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी अध्यक्ष संदीप जैन, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, डीआरएम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने जबलपुर को मिली इस महत्वपूर्ण रेल सौगात पर नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि वर्षों के संघर्ष, प्रयास और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से सांसद आशीष दुबे और राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जबलपुर के विकास के लिए लगातार आवाज उठाई गई, जिसका परिणाम अब सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब जबलपुर को छोटी-बड़ी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने की जबलपुर नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा, नवाचारों और बुनियादी विकास को सराहा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी जबलपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं और लोक-कल्याणकारी कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने शहर में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक सेवाओं में किए गए बेहतरीन नवाचारों के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह

अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुंज विज और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बारी-बारी से नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के कार्यों के प्रगति की जानकारी दी। जनकारी के पश्चात मंत्री श्री साहू ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की सराहना करते हुए अच्छे कार्यों के लिए सभी को बधाई दी और स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में बेहतर रैंक प्राप्त करने की शुभकामनाएं भी दी। बैठक के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चल रही प्रगति और केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से क्रियान्वित की जा रही विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेन्टर के संचालन और शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के लिए चलाई जा रही हेरिटेज कन्जर्वेशन परियोजनाओं की प्रगति को सराहा, मदन महल ईको जोन के विकास और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए जा रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रशंसा की।

मीडिया में मामला उठा तो चरक अस्पताल में मरीजों के लिए लगाए नए कूलर

भीषण गर्मी में मरीजों को घर से लाना पड़ रहे थे टेबल फैन, पानी की समस्या अभी भी बरकरार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी को देखते हुए चरक अस्पताल में भर्ती मरीजों को राहत देने के लिए अस्पताल प्रशासन ने कलेक्टर के निर्देश पर वार्डों में 25 नए कूलर लगाए गए हैं। मीडिया में मामला आने के बाद मरीजों की यह समस्या हल हुई है।

सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि चरक भवन के सभी वार्डों में मरीजों को गर्मी से बचाने के लिए नए कूलर स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल परिसर में विभिन्न स्थानों पर ठंडे पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को सुविधा मिल सके।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार वार्डों और परिसर में नियमित साफ-सफाई कराई जा रही है तथा स्वच्छता संबंधी मानकों का पालन किया जा रहा है। मरीजों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हाल ही में हुए निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में सामने आई कमियों के बाद सुधारात्मक कदम भी उठाए गए हैं। निर्धारित गणवेश में सुरक्षा कर्मी नहीं मिलने पर संबंधित सुरक्षा एजेंसी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। साथ ही संजीवनी 108 एम्बुलेंस सेवा कक्ष में पुलिस चौकी भी स्थापित कर दी गई है।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है, ताकि उपचार के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

रविवार को शहरभर में नहीं हुआ जलप्रदाय

पीने के पानी के लिए परेशान हुए लोग-हैंडपंप-बोरिंग पर लगी कतारें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को पूरे शहर में जलप्रदाय नहीं होने से हजारों परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह होते ही लोग पीने के पानी की व्यवस्था के लिए घरों से निकल पड़े। कई क्षेत्रों में लोग हैंडपंप और बोरिंग की तलाश करते रहे, जबकि कुछ स्थानों पर पानी भरने के लिए लंबी कतारें लग गईं। भीषण गर्मी के बीच एक दिन की पानी बंदी ने नागरिकों की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

पीएचई विभाग के अनुसार गंभीर इंटेकवेल पर मेंटेनेंस कार्य और विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्या के कारण रविवार को पूरे शहर में जलप्रदाय बंद रखा गया। गंभीर इंटेकवेल फीडर पर लिए गए शटडाउन के चलते शहर के किसी भी क्षेत्र में पानी की सप्लाई नहीं हो सकी। इसका असर सुबह से ही दिखाई देने लगा और जिन घरों में पानी का पर्याप्त भंडारण नहीं था, वहां लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ी।

शहर के कई मोहल्लों में लोग पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए। महिलाओं और बुजुर्गों को दूर-दूर तक हैंडपंप और निजी बोरिंगों से पानी लाना पड़ा। नागरिकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में जलप्रदाय बंद होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था पहले से की जानी चाहिए थी ताकि लोगों को पीने के पानी के लिए परेशान न होना पड़े।

इधर नगर निगम का दावा है कि शहर में जल संकट जैसी कोई स्थिति नहीं है। निगम अधिकारियों के मुताबिक गंभीर बांध में वर्तमान में करीब 350 एमसीएफटी पानी उपलब्ध है और इससे शहर को नियमित रूप से पानी दिया जा सकेगा। निगम का कहना है कि मेंटेनेंस कार्य पूरा होने के बाद सोमवार से जलप्रदाय सामान्य रूप से शुरू कर दिया जाएगा तथा आगे रोजाना पानी वितरण की व्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि रविवार को लोगों की परेशानी ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया कि जब बांध में पर्याप्त पानी मौजूद है तो जलप्रदाय व्यवस्था को इतना निर्बाध क्यों नहीं बनाया जा सका कि एक दिन की बंदी से पूरे शहर को संकट का सामना न करना पड़े। गर्मी के इस दौर में पानी की एक दिन की कमी भी नागरिकों के लिए बड़ी चुनौती बन गई।

उज्जैन जिले में जल संरक्षण को मिली नई गति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा गत गुडीपडवा पर्व पर पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया था। पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रदेश में बड़ी संख्या में खेत तालाब, अमृत सरोवर, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और सूखे कुओं को नया जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि उज्जैन जिला जल गंगा संवर्धन अभियान के क्रियांवयन में प्रदेश के टॉप-5 जिलों में शामिल है। इसके अंतर्गत उज्जैन जिले के विभिन्न विकास खण्डों, नगरीय निकायों और ग्रामों में अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमी पर्व पर भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से मुख्यतः जन जागरूकता, नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई व मरम्मत /नवीनीकरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ सफाई, राजस्व रिकार्ड में जल संग्रहण संरचनाओं व नहरों को अंकित करने और मानसून में किये जाने वाले पौधारोपण के लिए आवश्यक तैयारियों के कार्य प्राथमिकता पर किये जा रहे है। यह अभियान समाज और सरकार की साझेदारी से जल संरक्षण व संवर्धन का जन आंदोलन बन गया है।

खाचरौद ब्लॉक में आंगनवाड़ियों में वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य अभियान के रूप में शुरू- कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के निर्देशन में जोर शोर से अभियान चलाया जा रहा है।

महाकाल दर्शन के लिए खुला नया रास्ता, अब हरसिद्धि चौराहे से भी मिलेगी सीधी एंट्री

हरसिद्धि मार्ग पर जूता स्टैंड, शीघ्र दर्शन टिकट और प्रसाद काउंटर शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने महापर्वों की तर्ज पर नई दर्शन व्यवस्था शुरू कर दी है। अब भक्त हरसिद्धि चौराहे से बड़ा गणेश मंदिर होते हुए एंबुलेंस द्वार के रास्ते सीधे मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। इस मार्ग पर जूता स्टैंड, शीघ्र दर्शन टिकट काउंटर, लड्डू प्रसाद केंद्र और खोया-पाया काउंटर जैसी सुविधाएं भी शुरू कर दी गई हैं।

अब तक यह व्यवस्था केवल नागपंचमी और महाशिवरात्रि जैसे बड़े पर्वों पर ही लागू की जाती थी, लेकिन पहली बार गर्मी की छुट्टियों में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए इसे लागू किया गया है। मंदिर प्रशासन का मानना है कि इससे श्रद्धालुओं को लंबी कतारों और भीड़भाड़ से राहत मिलेगी। महाकाल मंदिर विस्तार और महालोक परियोजना के कार्यों के बाद दर्शन व्यवस्था लगातार सुगम होती जा रही है। अभी तक अधिकांश श्रद्धालु चारधाम मंदिर, शक्तिपथ, महाकाल महालोक और कार्तिकेय मंडपम होते हुए भगवान महाकाल के दर्शन कर रहे थे। अब हरसिद्धि, बड़ा गणेश और कार्तिक मेला ग्राउंड क्षेत्र से आने वाले भक्तों के लिए अलग प्रवेश मार्ग उपलब्ध होने से दबाव कम होगा।मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार वर्तमान में समर वैकेशन के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। वहीं जुलाई के अंत से श्रावण-भाद्रपद मास शुरू होने वाला है, जिसमें श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए महापर्वों में अपनाई जाने वाली व्यवस्था को समय से पहले लागू कर दिया गया है।

गर्मी से राहत देने के लिए पूरे मार्ग पर मैट बिछाए गए हैं, छांव के लिए शामियाने लगाए गए हैं और शीतल पेयजल की व्यवस्था भी की गई है। प्रशासन का दावा है कि श्रावण-भाद्रपद मास तक महाकाल महालोक और हरसिद्धि चौराहा दोनों स्थानों से सुगम दर्शन व्यवस्था लगातार संचालित की जाएगी।

सील तोड़ी, फिर शुरू कर दिया अस्पताल

बड़नगर के वेदांता अस्पताल पर कार्रवाई के बाद भी नहीं माने संचालक, सील तोड़कर मरीज देखने लगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध अस्पतालों और फर्जी चिकित्सा संस्थानों के खिलाफ चल रही स्वास्थ्य विभाग की मुहिम के दौरान बड़नगर तहसील में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। खरसौदकलां स्थित वेदांता अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग ने नियमों के उल्लंघन और अवैध रूप से इलाज करने के आरोप में सील किया था, लेकिन अस्पताल संचालक ने सील तोड़कर दोबारा अस्पताल खोल लिया और मरीजों का इलाज शुरू कर दिया। जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम शनिवार को फिर अस्पताल पहुंची और प्रशासन की मौजूदगी में दोबारा सील लगाने की कार्रवाई की।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में बिना पंजीयन संचालित अस्पतालों, क्लीनिकों और पैथोलॉजी लैबों की जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत शुक्रवार को बड़नगर क्षेत्र में वेदांता अस्पताल सहित 8 क्लीनिक, एक मेडिकल स्टोर और एक पैथोलॉजी लैब पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सील किया गया था। लेकिन अगले ही दिन वेदांता अस्पताल के संचालक द्वारा सील तोड़कर अस्पताल दोबारा चालू कर दिया गया।

आयुर्वेद की डिग्री, इलाज एलोपैथी का- जांच के दौरान सामने आया कि खरसौदकलां स्थित वेदांता अस्पताल का संचालन डॉ. संदीप यादव कर रहे थे, जिनके पास बीएएमएस (आयुर्वेद) की डिग्री है। इसके बावजूद वे एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का उपचार कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम को अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज मिले। जांच के दौरान अमानक और संदिग्ध दवाइयां भी बरामद हुईं।

सोशल मीडिया पर चला रहे थे ऑनलाइन ओपीडी- स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अस्पताल संचालक फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रील्स और पोस्ट के माध्यम से ऑनलाइन मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार की सलाह और दवाइयां भी सुझा रहे थे। विभाग ने इसे गंभीर अनियमितता माना है।

एसडीएम की मौजूदगी में दोबारा सील- शनिवार को अस्पताल को पुनः सील करने की कार्रवाई के दौरान एसडीएम धीरेंद्र पाराशर स्वयं मौके पर पहुंचे। उनके साथ माधवनगर अस्पताल के प्रभारी डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. प्रदीप सोमेश, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. वीरेंद्र सिंह अजनार सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की जान जोखिम में डालकर अवैध चिकित्सा गतिविधियां संचालित करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इन 11 संस्थानों पर चली कार्रवाई...- स्वास्थ्य विभाग ने बड़नगर क्षेत्र में बिना पंजीयन, अमान्य डिग्री अथवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में 11 संस्थानों को बंद कर सील किया है।

- वेदांता अस्पताल, खरसौदकलां
- आरोग्यम क्लीनिक, खरसौद खुर्द
- देवकमल पॉली क्लीनिक, खरसौदकलां
- विशेष पैथोलॉजी, खरसौदकलां
- जय अम्बे पॉली क्लीनिक, बड़नगर
- सिसोदिया क्लीनिक, चिरोलाकला
- संजीवनी अस्पताल, रुनिजा
- सरोज मेडिकल स्टोर, चंद्रशेखर आजाद चौक, बड़नगर
- डॉ. दीपांकर क्लीनिक, आजाद चौक, बड़नगर
- महाकाल क्लीनिक, व्यास कॉलोनी, बड़नगर

सिंहस्थ-2016 में बने लाल पत्थर के रोटरी स्थल बदहाल

जगह-जगह उखड़े पत्थर-रखरखाव के अभाव में फीकी पड़ी चमक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2016 के दौरान शहर को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए प्रमुख चौराहों पर लाल पत्थरों से बनाई गई भव्य रोटरियां आज बदहाली का शिकार हो रही हैं। लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर तैयार की गई इन संरचनाओं की चमक अब धूल की मोटी परत में दब गई है, जबकि कई स्थानों पर पत्थर उखड़ चुके हैं और दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कभी शहर की पहचान और आकर्षण का केंद्र रही ये रोटरियां अब उपेक्षा की कहानी बयां कर रही हैं।

पिछले सिंहस्थ के समय शहर के प्रमुख चौराहों और सड़कों के किनारे सौंदर्यीकरण के व्यापक कार्य कराए गए थे। इसी योजना के तहत लाल पत्थरों की नक्काशीदार रोटरियां बनाई गई थीं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को उज्जैन की सुंदर और व्यवस्थित छवि दिखाई दे। लेकिन एक दशक बाद इन रोटरियों की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है।

शहर के चामुंडा माता चौराहा, कृषि उपज मंडी तिराहा सहित कई प्रमुख चौराहों पर लाल पत्थर जगह-जगह से उखड़ गए हैं। कई पत्थर टूटकर गिर चुके हैं, जबकि रोटरियों की बाहरी दीवारों में भी दरारें और क्षति साफ दिखाई देने लगी है। इसके अलावा नियमित सफाई नहीं होने से पत्थरों पर धूल और मिट्टी की मोटी परत जम गई है, जिससे उनकी प्राकृतिक चमक पूरी तरह गायब हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के बाद इन रोटरियों के रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया गया। समय पर मरम्मत और सफाई नहीं होने के कारण स्थिति लगातार खराब होती चली गई। उनका कहना है कि यदि जल्द ही आवश्यक सुधार कार्य नहीं किए गए तो आने वाले समय में ये रोटरियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।

सांवरिया जी दर्शन करने निकले युवकों की खंती में गिरी कार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज तड़के 4 बजे के लगभग इंदौर उज्जैन मार्ग बदनावर बायपास पर स्कॉर्पियो ब्रिज के नीचे खंती में जा गिरी। एक युवक की मौत हुई है। छह घायल हुए हैं, दो की हालत गंभीर होने पर इंदौर रेफर किया गया है। इंदौर के लसुडिया में रहने वाले साथ दोस्त स्कॉर्पियो में सवार होकर सांवरिया सेठ जाने के लिए निकले थे। उज्जैन पहुंचने के बाद बदनावर बायपास से गुजरते समय ब्रिज पर अचानक स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और नीचे खंती में जा गिरी। घटनाक्रम की जानकारी लगते ही नानाखेड़ा थाना पुलिस की डायल 112 मौके पर पहुंच गई। स्कॉर्पियो में सवार सातों दोस्तों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां एक की मौत होना सामने आया। घायलों से पूछताछ करने पर मृतक का नाम विशाल पिता दिनेश परिहार 18 साल निवासी लसुडिया इंदौर है। घायलों में शामिल पीयूष और नीलेश को हालत गंभीर होने पर इंदौर रेफर किया गया है। चंदन आयुष मिलन और ओम का उपचार चरक अस्पताल में चल रहा है। परिजनों के आने पर पता चला कि एक दोस्त का जन्मदिन होने पर सभी सांवरिया सेठ के दर्शन करने के लिए रात 2बजे के लगभग इंदौर से निकले थे। प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सूर्यवंशी ने बताया कि घटना में मृत युवक का पोस्टमार्टम कराया गया है परिजन इंदौर से उज्जैन पहुंच गए थे। मामले की जांच की जा रही है। घायलों ने बताया कि सभी दोस्तों ने कुछ दिन पहले ही सांवरिया सेठ दर्शन का प्लान बनाया था। स्कॉर्पियो निलेश चल रहा था बायपास मार्ग से गुजरते समय रास्ते में मृत गाय पड़ी थी अचानक गाड़ी के सामने दिखाई देने पर निलेश ने बचाने का प्रयास किया जिसके चलते संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी नीचे गिर गई।

मां घर लौटी तो फंदे पर लटका मिला पुत्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती शाम नाबालिग ने घर का दरवाजा बंद करने के बाद फांसी लगा ली। मां घर लौटी तो घटना का पता चला, दरवाजा तोड़कर नाबालिक का शव फंदे से उतारा गया। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि चकोर पार्क के पास रहने वाले परिवार की सूचना पर पुलिस देर शाम घटनास्थल पहुंची थी इस दौरान सामने आया कि 15 साल के प्रणव उर्फ बाबू पिता शंकर सुराठे ने स्क्रोल से दरवाजा बंद कर फांसी लगाई है। पुलिस ने परिवार की मौजूदगी में दरवाजा तोड़कर नाबालिक का शव फंदे से उतारा और अस्पताल पहुंचाया। मां नीतू ने बताया कि वह घरों में काम करती है शाम को जब घर लौटी तो दरवाजा बंद था नहीं खुलने पर उसने केसर बाग में रहने वाली अपनी बहन को बुलाया था खिड़की से देखने पर पुत्र बाबू फंदे पर लटका हुआ था। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि दोपहर में बाबू साइकिल चला रहा था घर लौट के बाद उसने खाना खाया और बचा हुआ खाना भी फ्रिज में रखा था। जानकारी यह सामने आई है कि उसकी एक बहन है खेलने के दौरान विवाद होने पर संभवत उसने फांसी लगाई है। फिलहाल पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है नाबालिक का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सोपा गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के कियोस्क सेंटर में तोड़फोड़

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तराना थाना क्षेत्र के मंत्री गली में बैंक ऑफ बड़ौदा का कियोस्क सेंटर सूरज पिता सीताराम चांदना जाति गुर्जर निवासी ग्राम बगोदा द्वारा संचालित किया जाता है। देर शाम सेंटर पर गुर्जर समाज के तीन बदमाश इंदर पिता हरलाल निवासी छापरी, जितेंद्र पिता चंदरसिंह निवासी बंजारी और महेश पिता रघुनाथ गुर्जर निवासी ग्राम मोया माकडोन पहुंचे और कियोस्क संचालक सूरज से सेंटर चलाने के एवज में रूपयो की मांग करने लगे। जिसको लेकर विवाद की स्थिति बन गई। तीनों बदमाशों ने सूरज के साथ मारपीट की और सेंटर में तोड़फोड़ कर दी, यही नहीं सूरज ने भी अपने साथियों के साथ मिलकर विरोध किया और अवैध रुपयों की मांग करने वाले बदमाशों को पीट दिया। कियोस्क सेंटर पर हुई तोड़फोड़ और अवैध रुपयों की मांग करने वाले बदमाशों के खिलाफ तराना पुलिस ने सूरज चांदना की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 119(1), 296, 324 (2), 115 (2), 351 (3), 3 (5) का प्रकरण दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि मारपीट और तोड़फोड़ करने वाले दो बदमाश इंदर और जितेंद्र भी घायल हुए हैं, जो उज्जैन अस्पताल जाकर भर्ती हो गए। महेश फरार है। जानकारी सामने आई है कि गुर्जर समाज के आरोपी बदमाश प्रवृति के है और तराना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अवैध वसूली का काम करते हैं इनके द्वारा पवन चक्की कार्यालय पर पहुंचकर भी रूपयो की मांग की जाती है। पूर्व में भी इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज हो चुके हैं।

आम के पेड से गिरे वृद्ध की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम मतानाकला में शनिवार दोपहर को केरी तोड़ने के लिये आम के पेड़ पर चढ़ा वृद्ध रमेश पिता शंकरलाल टिपानिया 57 साल करीब 15 फीट ऊंचाई से संतुलन बिगड़ने पर नीचे गिर गया। उसे गंभीर चोंट लगने पर परिजन देवासरोड स्थित निर्मला मिशन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां परीक्षण के दौरान रमेश की मौत होना सामने आया। मामले में नागझिरी थाना एएसआई पुरूषोत्तम शर्मा ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने पर मर्ग कायम कर मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। जांच के लिये मर्ग डायरी नरवर थाना पुलिस को सौंपी जायेगी।

कॉम्बिंग गश्तः रातभर में 195 वारंटी पहुंचे सलाखों में

जिले में 600 पुलिस कर्मियों ने की गश्त, गुंडे बदमाशों को किया चेक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अपराधों की रोकथाम, फरार आरोपियों की धरपकड़, निगरानी बदमाशों पर नियंत्रण के उद्देश्य से बीती रात पुलिस द्वारा कॉम्बिंग गश्त की गई। जिसमें 85 स्थायी वारंट एवं 110 गिरफ्तारी वारंट तामिल कराए गए। हत्या और हत्या के प्रयास में फरार 4 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने बताया कि कॉम्बिंग गश्त जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में एक साथ योजनाबद्ध तरीके से की गई। इस दौरान 600 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान रातभर अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर कार्रवाई करते रहे। गश्त के पूर्व चिन्हित अपराधियों, फरार आरोपियों, वारंटियों एवं निगरानी बदमाशों की सूची तैयार कर टीमों का गठन किया गया। रात में अलग-अलग टीमों ने संभावित ठिकानों पर दबिश देकर प्रभावी कार्रवाई कर 85 स्थाई वारंट तामील कर संबंधित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 110 गिरफ्तारी वारंटों की तामील करते हुए फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गश्त के दौरान 5 वसूली वारंट भी तामिल कराए गए। जिले में 150 से अधिक निगरानी बदमाश, गुंडा बदमाश एवं चाकूबाज अपराधियों के घर जाकर पुलिस द्वारा सत्यापन एवं चेकिंग की गई। टीमों ने उनके वर्तमान गतिविधियों, निवास एवं आपराधिक व्यवहार की जानकारी एकत्रित कर उन्हें आपराधिक गतिविधि से दूर रहने की सख्त समझाइश दी। हत्या, लूट, नकबजनी, अवैध हथियार एवं अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त 20 से अधिक आरोपियों की विशेष चेकिंग की गई। संदिग्धों से पूछताछ कर जानकारी संकलित ली गई। अभियान के दौरान 50 से अधिक जिला बदर आरोपियों की चेकिंग एवं सत्यापन किया गया। कॉम्बिंग गश्त अभियान के दौरान पुलिस द्वारा गंभीर अपराधों में फरार चल रहे 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गश्त के दौरान थाना पवासा क्षेत्र के जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे बंटी उर्फ युवराज पिता जसवंत सिंह राजपूत निवासी ग्राम रूदाहेड़ा और रणजीत सिंह पिता गोवर्धन सिंह राजपूत निवासी ग्राम रूदाहेड़ा को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। बड़नगर थाना पुलिस ने भी हत्या के मामले में फरार आरोपी आदर्श पिता निलेश शाह 19 वर्ष निवासी ग्राम पलदूना थाना इंगोरिया को गिरफ्तार किया गया है। माकड़ौन पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में फरार आरोपी धर्मेंद्र पिता हिंदू सिंह गुर्जर निवासी भगवतपुर को गिरफ्तार किया है।

गंगा दशहरा पर 25 मई को प्रत्येक वार्ड एवं ग्राम पंचायत में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा (25 मई) के अवसर पर जिले के प्रत्येक वार्ड एवं प्रत्येक ग्राम पंचायत में भव्य एवं अनिवार्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सफलता के लिए जनसहभागिता को सर्वोपरि रखा जाए। गंगा दशहरा पर्व को जल संरक्षण का जन आंदोलन बनाने का यह एक बहुत अच्छा अवसर है। उल्लेखनीय है कि जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों में जन समुदाय, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला स्व-सहायता समूहों, व्यापारिक एवं धार्मिक संगठनों के सहयोग से सामूहिक श्रमदान एवं योगदान के माध्यम कुओं, बावड़ियों, तालाबों आदी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जल संरक्षण का जनआंदोलन
जल संरक्षण को जन-जन से जोड़ने का
जल गंगा संवर्धन अभियान-2026
(19 मार्च - 30 जून)
अंतर्गत
गंगा दशहरा के पावन अवसर पर
प्रदेशव्यापी जनसहभागिता कार्यक्रम
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
25 मई, 2026 । धार, मध्यप्रदेश
जल संरक्षण में राष्ट्रीय गौरव
• भारत सरकार के जल संचय-जनभागीदारी अभियान 2026 में मध्यप्रदेश चल रहा देश में अग्रणी
• प्रदर्शन के स्तर पर देश के टॉप 10 जिलों में मध्यप्रदेश के खण्डवा, डिंडौरी, शहडोल और राजगढ़ जिले शामिल
ऐतिहासिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन
• बावड़ी एवं मंदिर तालाबों का जीर्णोद्धार
• 5,000+ पुराने जल स्रोत संवारे गए
• 40 लाख+ नागरिकों की सहभागिता
ग्रामीण जल संरक्षण
• 86 हजार+ खेत तालाब और 553 अमृत सरोवरों का निर्माण
• 1.04 लाख कुओं का पुनर्भरण
जल गंगा संवर्धन अभियान 2025
उपलब्धियाँ
जनजागरूकता एवं जल संरक्षण
• 2.30 लाख जलदूत पंजीकृत
• 40 हजार कृषकों का पंजीयन कर ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सुविधा का विस्तार
• नहरों एवं जल संरचनाओं का अभिलेखीकरण
वर्ष 2026 का लक्ष्य
₹ 10,666 करोड़ लागत के 3.68 लाख जल संरक्षण कार्य
19 मार्च से अब तक 1.91 लाख से अधिक कार्य पूर्ण
शहरी जल संवर्धन
• 3,300+ जल स्रोतों का पुनर्जीवन
• 2,200 नालों की सफाई
• 4,000 वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण
नदी संरक्षण एवं हरित विकास
• 57 नदियों में मिलने वाले 194 नालों का शोधन, गंगोत्री हरित योजना में 145 नदी उद्गम क्षेत्रों का विकास
• वन्य जीवों के लिए 2,500+ जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण
D11024/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026